मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-8, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 185 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
20 दिसंबर 2023 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
22 अधिकतम
10 न्यूनतम

Page- 7

मप्र विस में हुआ अभिभाषण, सर्वसम्मति से विधानसभा अध्यक्ष चुने गए नरेन्द्र सिंह तोमर

राज्यपाल बोले- डबल इंजन सरकार का लक्ष्य आमजन का संपूर्ण विकास

राज्यपाल का अभिभाषण...

मप्र विस को मिला नया अध्यक्ष...

अब आसंदी आपकीः चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को आसंदी तक लेकर आए।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर को आज सर्वस मति से मध्यप्रदेश विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया गया। इसके तत्काल बाद उन्होंने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया। वहीं राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने अभिभाषण में राज्य की तरक्की व अन्य पहलुओं पर सदन को संबोधित किया। पटेल ने आज कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य आमजन का संपूर्ण विकास है और इसके लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने विभिन्न योजनाओं से संबंधित आकड़े पेश करते हुए कहा कि जब तक गरीबों और अन्य वर्गों को उनका वाजिब हक नहीं दिला दिया जाता, सरकार चैन से नहीं बैठेगी। डबल इंजन की सरकार और बेहतर ढंग से विकास कार्य करेगी।

इससे पहले नवगठित सोलहवीं विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए तोमर के नाम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और भूपेंद्र सिंह ने रखा। इसके अलावा वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह, डॉ राजेंद्र कुमार सिंह और जयवर्धन सिंह की ओर से भी तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा गया। इसका समर्थन क्रमशः नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रहलाद पटेल, राजेंद्र शुक्ल, रामनिवास रावत, हेमंत कटारे और तुलसी सिलावट ने किया। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव ने तोमर को निर्वाचित घोषित कर दिया।

निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने पर तोमर ने विधिवत तरीके से कामकाज संभाल लिया। मुख्यमंत्री डॉ यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने तोमर को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि सदन की गौरवशाली परंपराएं और मजबूत होंगी।

तोमर मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए हैं। तोमर ने इस वर्ष मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में विजयी होने के बाद मुरैना संसदीय सीट के साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। वे विधानसभा चुनाव में प्रदेश भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक के रूप में कार्य करते रहे। तोमर 2019 के लोकसभा चुनाव में मुरैना संसदीय सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में तोमर ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। इसके बाद उन्हें उस समय मोदी सरकार में इस्पात, खान, श्रम एवं रोजगार विभाग का मंत्री बनाया गया। इसके बाद जुलाई 2016 में उन्हें ग्रामीण विकास, पंचायती राज, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय का कार्यभार दिया गया। सितंबर 2017 में श्री तोमर को ग्रामीण विकास, पंचायती राज और खान विभाग का जि मेदार दिया गया।

तोमर ने प्रदेश भाजपा संगठन में भी अपनी भूमिका को साबित किया। 16 दिसंबर 2014 को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसके पहले वे मार्च 2010 में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद पर नियुक्त किए गए थे। उन्होंने 2009 के चुनाव में मुरैना संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी के रूप में विजय हासिल की थी। इसी वर्ष जनवरी में मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2006 में भी वे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके थे।

नेहरू की तस्वीर हटाने पर नाराजी जारी, कांग्रेस विधायकों का धरना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र विधानसभा में सदन के भीतर से प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाने को लेकर बवाल जारी है। आज विस परिसर में कांग्रेस विधायकों ने धरना दिया व नारेबाजी की। तीन दिन से इस मामले को लेकर कांग्रेस विधायक तेवर दिखा रहे हैं। दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जब वर्ष 1977 में जब अटलबिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री के रूप में अपना कार्यभार संभालने साउथ ब्लाक कार्यालय गए तो उन्होंने देखा कि दीवार पर पंडित जवाहर लाल नेहरू का चित्र ग़ायब है। उन्होंने तुरंत अपने सचिव से पूछा कि नेहरू का चित्र कहां है। अधिकारियों ने ये सोचकर उस चित्र को वहां से हटवा दिया था कि इसे देखकर शायद वाजपेयी खुश नहीं होंगे। मगर वाजपेयी ने आदेश दिया कि उस चित्र को

भाजपा ने वाजपेयी की विरासत को ललकारा : पटवारी

वापस लाकर उसी स्थान पर लगाया जाए। पटवारी ने कहा कि अब भाजपा ने पंडित नेहरू का चित्र मध्यप्रदेश विधानसभा से निकाल कर अपने ही पुरोधा वाजपेयी की विरासत को ललकारा है। उन्होंने कहा कि नेहरू की तस्वीर हटाने के बजाय साथ में अगर संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीर लगा दी जाती तो सदन की शोभा बढ़ जाती। प्रजातंत्र के पुरोधा पंडित नेहरू की तस्वीर से प्रतिशोध लेना कोई अचरज की बात नहीं है। कल ये लोग सदन से बाबा साहेब की तस्वीर हटा कर हिटलर और मुसोलिनी की तस्वीर सदन में टांग दें तो उसमें भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

तूफानी बारिश से लोगों को बचाने सेना पानी में उतरी

चैन्नेई। तमिलनाडु चक्रवाती तूफान मिचौंग के बाद अन्य त्रासदी को झेलने को मजबूर है। चक्रवाती तूफान मिचौंग के बाद अब भारी बारिश ने तमिलनाडु के जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। नाले, नदियां बारिश के चलते उफान पर हैं। मौसम विभाग ने भीषण बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसी बीच, भारतीय सेना की बचाव टीम श्रीवैकुंठम पहुंची हैं। तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में लगातार बारिश के कारण जल भराव की स्थिति बन गई है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिचौंग तूफान और दक्षिणी जिलों में भारी बारिश से हुए नुकसान को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और आपदा राहत कोष प्रदान करने का अनुरोध किया। अभी आलम यह है कि भारी बारिश के चलते 10 लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश के चलते ताम्रपर्णी नदी में बाढ़ आ गई है, जिसके कारण कई इमारतें डूब गई है।

कोरोना रिर्टन्स

अब डब्ल्यूएचओ ने जेएन वन को वैरिएंट ऑफ कंसर्न घोषित किया

नई दिल्ली , एजेंसी।

कोविड के नए वेरिएंट JN.1 की वजह से संक्रमण के मामले बढ रहे हैं। यह केरल से होता हुआ मुबंई तक पहुंचा है। इस सब-वेरिएंट में इम्यून सिस्टम को चकमा देने की गजब क्षमता बताई जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने JN.1 को 'वेरिएंट ऑफ कंसर्न' घोषित कर दिया है।उधर इंडियन मेडिकल रिसर्च ने सबका डेटा भारत बायोटेक लिमिटेड को भेज दिया है। इसका मकसद है कोविड-19 देने वाले वायरस के लिए यूनिवर्सल वैक्सीन बनाना।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत बायोटेक के वैज्ञानिक ऐसे वैक्सीन तैयार करने में लगे हैं जो सभी वेरिएंट्स के खिलाफ असरदार होगी। सरकार ने अपना यह इरादा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण की संसदीय समिति को बताया है। समिति की रिपोर्ट राज्यसभा में पेश की गई। बताया जाता है कि भुवनेश्वर कलिता की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने स्वास्थ्य मंत्रालय को एक यूनिवर्सल कोविड वैक्सीन डिवेलप करने की सिफारिश की थी जो सभी वेरिएंट्स के खिलाफ प्रभावी हो। सरकार के अनुसार, आईसीएमआर ने चिंता वाले सभी वेरिएंट्स - अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा और ओमीक्रोन के सारे स्ट्रेन्स को हैदराबाद

स्थित भारत बायोटेक लिमिटेड को ट्रांसफर कर दिया है। इधर राज्यों ने कोरोना के नये मामले देखते हुए अपने स्तर पर एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। केंद्र ने भी सभी सरकारों को गाइडलाइन भेजी हैं। 24 घंटे के अंदर सामने आए कोरोना के 142 नए मामले। कोरोना के आ रहे हैं केस को लेकर स्वास्थ्य मंत्री करेंगे बैठक।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा फरवरी तक 144 लागू

इंफाल एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। अब चुराचांदपुर जिले में दो छात्र समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद सरकार ने जिले में पांच दिनों के लिए मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया है। इसके अलावा दो महीने के लिए जिले में सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। उधर, हिंसक झड़प में कई नागरिक घायल हो गए। वहीं सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। मणिपुर में छिटपुट हिंसा के बाद चुराचांदपुर जिले में दो महीने के लिए धारा 144 लागू की है। जिला मजिस्ट्रेट ने एक आदेश में कहा कि लोगों के दो समूहों के बीच टकराव के कारण शांति भंग होने की आशंका अब भी है। स्थिति अभी तनावपूर्ण है। निषेधाज्ञा आदेश सोमवार को लागू किया गया जो 18 फरवरी 2024 तक लागू रहेगा।

अब जापान से आई खुशखबरी, झूमा बाजार

मुबंई , एजेंसी।

मजबूत वैश्विक संकेतों के बाद भारतीय शेयर बाजार फिर नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं।

इस बार बैंक ऑफ जापान की नीतियों ने बाजार को खुश कर दिया है। आज सेंसेक्स पहली बार 71850 के पार पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी भी पहली बार 21550 के पार पहुंचने में सफल रहा। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में सबसे ज्यादा खरीदारी एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में दिखी। कल मंगलवार को सेंसेक्स 122 अंक चढ़कर 71,437 के स्तर पर बंद हुआ था। दरअसल , जापान के बाद चीन की ओर से भी ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद एशियाई बाजारों में बढ़त से भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक बुधवार को नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुले। बैंक ऑफ जापान ने दरों को स्थिर रखा और अपने उदार नीति मार्गदर्शन को बनाए रखा है। यद्यपिबैंक ने अपनी नकारात्मक ब्याज दर व्यवस्था को समाप्त करने का कोई संकेत नहीं दिया। अमेरिकी दर परिदृश्य में सुधार से भी इस तेजी को समर्थन मिला है।

कोबरा ने काटा तो उसे पकड़कर अस्पताल जा पहुंचा युवक

बांदा, एजेंसी।

उत्तरप्रदेश के बांदा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक कोबरा सांप ने युवक को काट लिया तो युवक ने उस सांप

को पकड़ लिया और सीधे अस्पताल पहुंच गया। अस्पताल में उसने डॉक्टरों को बताया कि इसी सांप ने मुझे काटा है तो सांप को देखते ही डॉक्टर्स के होश उड़ गए। फिलहाल, युवक का इलाज जारी है। मामला मटौंध थाना क्षेत्र के आलमखोर गांव का है। यहां योगेंद्र को कल दोपहर खेत में पानी लगाते वक्त जहरीले सांप ने डस लिया था। जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी मगर योगेंद्र ने उस सांप को पकड़कर डिब्बे में भर लिया और उसे लेकर सीधे अस्पताल पहुंच गया। अस्पताल में डिब्बे में बंद सांप को जिसने भी देखा वह घबरा गया। देर रात उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी।

मेट्रो एंकर

मिमिक्री एपिसोड : प्रधानमंत्री ने धनखड़ से फोन पर की बात

टीएमसी सांसद पर केस दर्ज, राहुल भी निशाने पर

नई दिल्ली , एजेंसी।

तृणमूल कांग्रेस सांसद द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल किए जाने के मामले में सियासत गरमा गई है। सभापति धनखड़ ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने एक्स पर बताया कि इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन किया, इस घटना पर दुख जताया और कहा कि वह ऐसे अपमान 20 वर्षों से भी ज्यादा से झेलते आ रहे हैं। वहीं धनखड़ की मिमिक्री मामले में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। यह पूरा मामला कल उस समय सामने आया था, जब कुल 141 विपक्षी सांसदों और राज्यसभा सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। विरोध जताने के लिए जब सभी विपक्षी सांसद संसद भवन के बाहर जमा हुए, तो कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल उतारी। उस समय सभी सांसद ठहाके लगाकर हंसते नजर आए। मिमिक्री मामले में निशाने पर राहुल गांधी भी निशाने पर

हैं,क्योंकि वे बनर्जी का वीडियो बना रहे थे।

वहीं आज उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस तरह की हरकतें उन्हें अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने से नहीं रोक सकती। जबकि आज टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ की नकल उतारने पर सफाई दी व कहा कि मेरे मन में उपराष्ट्रपति के लिए काफी सम्मान है, मिमिक्री करना तो एक कला है। पीएम ने भी मिमिक्री की थी। मेरा इरादा दुख पहुंचाने का नहीं था। हालांकि माफी मांगने के सवाल पर उन्होंने 'नो ' कहा है।

एक घंटे खड़े रहेंगे एनडीए सांसद

उपराष्ट्रपति के अपमान पर भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने बनर्जी के खिलाफ अनूठा विरोध प्रदर्शन करना तय किया है। धनखड़ के सम्मान में भाजपा सदस्य राज्यसभा की कार्यवाही में एक घंटे खड़े होकर हिस्सा लेंगे। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने इसे संविधान पद का अपमान बताया व कहा कि पहली बार जाट समाज के किसान पुत्र को यह बड़ा संवैधानिक पद मिला है। विपक्ष ने पहले प्रधानमंत्री का अपमान किया।अब उपराष्ट्रपति का अपमान हुआ। जोशी ने कहा, मैं इस घटना की घोर निंदा करता हूं। अब इनके सम्मान और इनके खिलाफ हम लोग खड़े होकर संसदीय कार्यवाही में हिस्सा लेंगे।

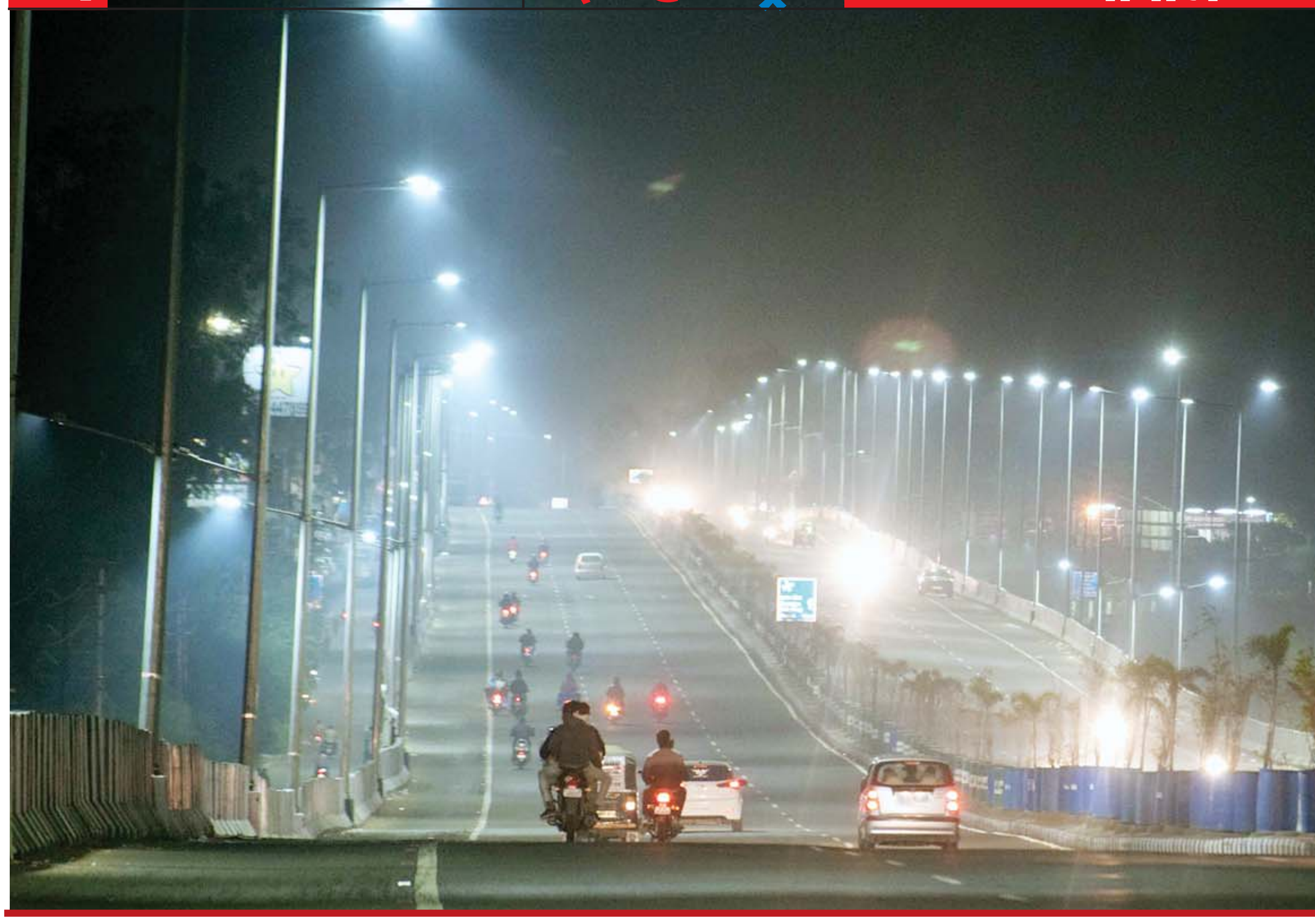

राजधानी में कड़ाके की सर्दी

भोपाल। राजधानी में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। सर्दी की वजह से तापमान में भारी गिरावट है। साथ ही रात से सुबह देर तक कोहरा छाया रहा है। ठंड की वजह से सुबह में सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है, और लोगों आग का सहारा ले रहे है।

प्रदेश भर नगरीय निकायों में काम कर रहे हजारों कर्मचारी

मैदानी कर्मियों की सुनवाई नहीं, ठंड में हो रहा बुरा हाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगरीय निकायों में काम करने वाले कर्मचारियों का ठंड में बुरा हाल हो रहा है। इनके पास ठीक से दस्ताने नहीं है, कुछ के पास है तो स्वेटर नहीं है। किसी तरह काम चल रहा है। कई निकाय तो उपकरणों की कमी से जूझ रहे हैं, जिसका सीधा असर इन कर्मचारियों पर पड़ रहा है। ये संक्रमण की मार झेल रहे हैं।

खासकर ठंड के दिनों में मैदानी निकाय कर्मचारियों को जिस तरह संसाधानों की जरूरत होती है, वह निकायों के पास नहीं है। जिसकी वजह से काम प्रभावित हो रहा है या फिर जो कर्मचारी काम कर रहे हैं, उनके शरीर को नुकसान हो रहा है।

भोपाल नगर निगम में काम करने वाले मुकेश सिंह का कहना है कि वह सफाई का काम करता है, उसके जैसे हजारों कर्मचारी मैदान में काम कर रहे हैं, जिनके पास ठंड से बचाने वाले जूते, स्वेटर नहीं है। निगम की ओर से यह सामग्री दी जानी चाहिए, ताकि काम करने में आसानी हो लेकिन नहीं दी जा रही है। खुद के संसाधनों से काम करने को कहा जा रहा है जो कि संभव नहीं है क्योंकि मामूली मानदेय में परिवार नहीं चल पा रहा है तो संसाधन खरीदने का तो सवाल ही नहीं है लेकिन अधिकारियों को यह बात समझ नहीं आ रही है इसलिए जूझना पड़ता है। तड़के से काम शुरू करते हैं तब सुबह तक मुख्य क्षेत्रों की सफाई पूरी कर पाते हैं, ठंड के कारण देरी करते हैं तो सुबह कहीं न कहीं से शिकायत हो जाती है और फिर अधिकारी खिंचाई करते हैं। उल्लेखनीय है कि कर्मचारियों की लंबे समय से मांग रही है कि उन्हें आधुनिक संसाधनों से लैस किया जाए, साथ ही उनका मानदेय बढ़ाया जाए लेकिन निगम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठा पा रहा हैं। हालांकि इंदौर ने इस काम को काफी हद तक किया है लेकिन दूसरे निकाय तो हाथ ही खींच रहे हैं, जिसका खामियाजा सपफाई कर्मी और उनका परिवार भुगत रहा है।

निगम कर्मचारियों के पास हो ये सामग्री

ठंड के दिनों में स्वेटर अनिवार्य हो, वह भी अच्छी गुणवत्ता वाला होना चाहिए। धूल साफ करने वाले कर्मचारियां के पास धूल से बचने के संसाधान हो। दस्ताने सभी के पास हो। मास्क की पर्याप्त व्यवस्था हो। ज्यादातर कर्मचारी सुबह 4 बजे से मैदान में उतर जाते हैं, ऐसे कर्मचारियों के पास टार्च आदि की व्यवस्था हो। फील्ड में जाने–आने के लिए निगम साधन उपलब्ध कराए। सुरक्षा प्रदान करने वाले जूते हो। यही नहीं, कर्मचारियों की यूनिटों के पास फर्स्ट एड बॉक्स हो, जो कि कभी दिखाई ही नहीं देता।

कर्मचारी मामलों के जानकार अरुण वर्मा का कहना है कि जिन कर्मचारियों के उपर शहर का भार हो, यदि उन्हें खुश नहीं रखा गया तो यह उम्मीद छोड़ देनी चाहिए कि शहर सुंदर दिखेगा।

मानव अधिकार आयोग ने मांगा जवाब

एक महीने से रोड पर अंधेरा, हो रहे हादसे, रेस्तरां की चिमनी से कॉलोनीवासी परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल जिले के आठ मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला कोलार क्षेत्र में चूनाभट्टी से पटेल नगर के बीच की रोड़ पर पिछ्ले एक महीने से स्ट्रीट लाइट बंद होने का है, जिसके चलते आए दिन वाहन चालाकों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि रात में अगर स्ट्रीट लाइट जलती रहे तो हादसों से बचा जा सकता है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच कराने और की गई कार्यवाही के संबंध में 15 दिन में जवाब भेजने के निर्देश दिए हैं। वहीं बावड़ियाकलां स्थित महेंद्रा टाउनशिप फेज-1 कॉलोनी में रहने वाले 128 परिवार कॉमर्शियल एक्टविटीस से परेशाान होने का मामला सामने आया है। कॉलोनी से लगे कार्मिशियल स्क्वायर में कई वेज और नॉनवेज रेस्टोरेंट खुल गये है। इसकी चिमनी, एग्जॉस्ट फैन और सीवेज कॉलोनी की ओर कर दिया गया है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त से जवाब मांगा है।

इन मामलों में भी जांच के निर्देश: आयोग ने बावड़ियाकलां स्थित विष्णु हाईटेक सिटी कॉलोनी में बने जॉगिंग ट्रैक पर कॉलोनी के ही कुछ रहवासियों द्वारा कब्जा करने, कोलार क्षेत्र में रहने वाली नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ एक मनचले द्वारा 6 महीने से परेशान करने, भोपाल में लोगों के घरों तक पहुंचते-पहुंचते पानी के दूषित होने, संत हिरदाराम नगर क्षेत्र में सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर से रोड़ मार्किंग गायब हो जाने से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर गिरने, संत हिरदाराम नगर में लगे पुराने बिजली के अनुपयोगी खम्भों को सालभर बाद भी नहीं हटाये जाने, हबीबगंज थानाक्षेत्र एवं कोलार थानाक्षेत्र में स्कूल एवं ट्यूशन जाने वाली छात्राएं संदिग्ध हालत में गायब होने सहित अन्य मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं और जवाब मांगा है।

बहू से छेड़छाड़ करने वाले ससुर को एक साल का सश्रम कारावास

न्यायालय ने आरोपी पर दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पूजा बौरासी की अदालत ने बहु से छेडछाड करने वाले एक ससुर को 1 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर विभिन्न धाराओं में दो हजार रूपए का जुर्माना भी न्यायालय ने लगाया है। मामले में शासन की ओर से सहा जिला लोक अभियोजन ज्योति कुजूर द्वारा पैरवी की गई। लोक अभियोजक के अनुसार, पीड़िता ने गोविंदपुरा थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मां के साथ इंदौर में रहती है और उसकी शादी भोपाल में हुई थी। घटना 29 जनवरी 2015 की शाम करीब 07:30 बजे की है। उसकी तबीयत खराब होने पर ससुर उससे बोले कि मैं तुम्हारे सिर में बाम लगा देता हूं। उसने ससुर से मना किया, लेकिन वह नहीं माने और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे। जब विरोध किया तो धमकाया कि किसी को बताया तो जान से खत्म कर दूंगा। जब पति को बताया तो वह बोले कि मैं आंखों से नहीं देख लेता तब तक वह विश्वास नहीं करूंगा। जिसके बाद पीड़िता ने अपनी मां को बताया और मायके चली गई।

वरिष्ठजन हेल्पलाइन पर इस साल पहुंचे 13 हजार 923 कॉल

भोपाल। वरिष्ठजन की सहायता के लिए प्रदेश में हेल्प एज इंडिया के माध्यम से संचालित हेल्पलाइन नंबर 14567 पर इस साल करीब 13 हजार 923 कॉल पहुंचे हैं। जिस पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। बता दें कि मई 2021 से प्रदेश में आरंभ हेल्पलाइन द्वारा वरिष्ठ जन को उन से संबंधित विभिन्न सेवाओं, समस्याओं के निदान की जानकारी दी जा रही है। प्रदेश में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण-पोषण और कल्याण नियम 2009 भी लागू है। इसमें राज्य शासन के अधीन कार्यरत शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, अर्ध शासकीय उपक्रम, निगम, स्थानीय निकाय के कर्मचारियों के वेतन से अधिकतम 10 हजार रुपये काट कर भरण-पोषण के लिए उनके माता-पिता के बैंक खाते में जमा करने का प्रावधान है।

सिंधी महिला पंचायत ने मनाया स्थापना दिवस

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी महिला पंचायत, संतनगर ने अपना स्थापना दिवस मनाया। 18 दिसंबर 2018 को महिला पंचायत का गठन किया गया था। इस दौरान कई परिवारों को टूटने से बचाया। सामाजिक कुरीतियों का बहिष्कार करवाया। युवा वर्ग के बीच समय पर शादी करने के लिए अभियान चलाया। समाज के तीज त्योहारों को मनाने पर जोर दिया। रिस्पेशन में दूल्हा-दुल्हन समय पर स्टैच पर पहुंचने की मुहिम चलाई। साथ ही शादी में कर्ज लेकर दिखावा ना करने पर जोर दिया।

स्थापना दिवस पर स्कूली बच्चों को कापियों का वितरण किया गया। सुखमनी पाठ साहिब के पाठ पदमा उदासी से करवाया। कार्यक्रम में किरण वाधवानी , मयूरी मूरजानी मुस्कान कृपलानी, रितिका साधवानी, मानसी गोलानी, लता लालवानी, नूतन लखवानी, नेहा आहूजा, किरण रुघवानी, नेहा आहूजा, पदमा उदासी, ज्योति देवना उपस्थित रहीं।

मेट्रो एंकर

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की

‘बायो एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन’ पर कार्यक्रम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने सात दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किय। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ‘बायो एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन‘ विषय पर आधारित था, विषय विशेषज्ञ विभागाध्यक्ष डॉ. शाजिया खान और डॉ. दिव्या पटेल ने किया प्रशिक्षण दिया। न्यूक्लिक एसिड संरचना, सेंट्रीफ्यूज प्रकार, सिंद्धात, अनुप्रयोग, ट्रांसफेक्शन, क्रोमेटोग्राफी, हिमेटोलॉजी, मॉलेक्युलर बॉयोलॉजी, पी.सी.आर. की मूलभूत तकनीकों जैसे विषयों के बारे में बताया गया।

बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इंटरकॉलेजिएट प्रशिक्षण में एस.वी. कॉलेज सीहोर, बाबूलाल गौर गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, बी.एच.ई.एल और संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि ये तकनीकें विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत है, जो अनुसंधान और प्रौघोगिकी में योगदान देती है। जो भी छात्र- छात्राएं प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा मूल्यवान कौशल और ज्ञान प्राप्त कर रहे है, वो उनके भविष्य के शैक्षणिक और व्यवसायिक कार्यों के लिए लाभकारी होगा।

डॉ वीरभान आडवाणी के निधन पर शोक

हिरदाराम नगर। सिंधु नव जागरण समिति के पूर्व अध्यक्ष व समाजसेवी डॉ वीरभान आडवाणी के निधन पर कई सामाजिक संगठनों, राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। डॉ आडवाणी का अंतिम संस्कार संतनगर विश्रामघाट पर किया गया। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी द्वारा श्रद्धांजलि दी। वेदांत संत लाल साई, समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, समिति के माधु चॉदवानी, आसनदास वाधवानी, राम पारदासानी, घनश्याम लालवानी, नरेश चोटरानी, पार्षद राजेश हिगोंरानी पार्षद अशोक मारन, सुशील वासवानी,त्रिलोक चंद दीपानी, रमेश जनयानी ,चंद्र प्रकाश इसरानी, रामचंद्र मूलचंदानी, सुदेव वाधवानी, जवाहर मूलचंदानी, रामचंद्र सबनानी, कमल विधानी, किशन अच्छानी, महेश खटवानी, डॉ टी के ज्ञानचंदानी, डॉ लाल कृष्णानी, डॉ दुर्गेश खेमचंदानी, डॉ दिलीप मूलचंदानी, लोकू जनयानी, नंदकुमार दादलानी, जगदीश आसवानी, हरीश मेहरचांदनी, धव पारदासानी, नरेश तोलानी, किशोर तेजवानी, ज मनवानी,दयाल सतानी,सीतल चेलानी,हीरो आडवाणी आदि ने शोक व्यक्त किया है।

चीते छोड़े, लेकिन कूनो के जंगल में कम नहीं हुई बाघों की दहशत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पालपुर कूनो नेशनल पार्क में भले ही दो चीतों को बीते दिनों खुले जंगल में छोड़ दिया हो लेकिन यहां बाघों की दहशत कम नहीं हुई है। अभी भी जंगल में बाघों की मौजूदगी की दहशत है और इसकी शतत निगरानी की जा रही है। इनमें से एक बाघ के राजस्थान के रणथंभौर नेशनल पार्क से आना बताया जा रहा है। कुछ माह पहले ही वहां से दो बाघ गायब हुए थे। वहीं बाकी एक बाघ स्थानीय जंगल का ही बताया जा रहा है। कुल मिलाकर जिस तरह चीतों की निगरानी की जा रही है, उस पर बाघों की मौजूदगी का डर भारी पड़ रहा है हालांकि दबाव इस बात का भी था कि कूनो में पहली बार महोत्सव हो रहा है और यदि चीते खुले जंगल में न दिखे तो पर्यटकों को मजा ही नहीं आएगा। इस लिहाज से भी दो चीतों को रिलीज किया है, बाकी के अंदर के बाड़े में ही रखे जा रहे हैं, उनमें से कुछ बाड़ों तक भी पर्यटकों को जाने की अनुमति दी है।

कूनो पार्क में आयोजित महोत्सव 23 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें देश–विदेश के पर्यटकों के शामिल होने का अनुमान है। चूंकि पहली बार चीता का स्वदेशी धरती पर दीदार करने के लिए अलग–अलग राज्यों से पर्यटकों का आना तो तय है। वहीं चीता शिफ्टिंग एक बड़ा विषय रहा है जो दुनिया भर के पर्यटकों की नजर में रहा था इसलिए बाहरी पर्यटक भी आ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कूनो पार्क में अभी कुल 15 चीते हैं, इनमें से एक शावक है। यहां नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका से दो चरण में 20 चीते लाए थे। पहले चरण में 8 और दूसरे चरण में 12 चीतों को लाया गया था। यहां 4 शावको का जन्म हुआ था। इनमें से 3 शावक समेत बाहर से लाए गए 9 चीतों की मौत हो चुकी है जो कि गंभीर चीता का विषय है। ऐसे में कूनो के जंगल में बाघों की मौजूदगी ने और चिंता बढ़ा दी है।

तेंदुए की मौत का सिलसिला जारी

इधर, प्रदेश में तेंदुए की मौत का सिलसिला जारी है। बैतूल जिले के शाहपुर ब्लॉक मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर पहावाडी के पास एक कुएं में तेंदुए का शव मिला है। वन विभाग के अधिकारियों ने सम्भावना व्यक्त कि है कि वह कुएं में गिरा हो है। उत्तर सामान्य वन मंडल के डीएफओ सुधांशु शेखर ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 2 बजे पहावाड़ी से सूचना प्राप्त हुई थी कि राजस्व विभाग की भूमि पर स्थित जंगल में एक तेंदुए का शव दिखाई दे रहा है। इसके पहले भी रातापानी वन्यजीव अभयारण्य के जंगल में तेंदुओं की लगातार मौत की खबर आती रही है।

फाइल फोटो

सचिवालय के बाद जनसंपर्क की कमान बदली

मुख्यमंत्री ने पोरवाल को बनाया सीपीआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक सर्जरी को बहुत संयम से अंजाम देना शुरू किया है। अपने प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी को बदलने के बाद अब उन्होंने जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह की जगह विवेक पोरवाल को जनसंपर्क आयुक्त की जिम्मेदारी दी है। खास बात यह है कि यह परिवर्तन भी देर रात ही हुआ। सिंह का तबादला कर उन्हें मध्य प्रदेश शासन में अपर सचिव पदस्थ किया गया है। उन्हें अब नयी पोस्टिंग का इंतजार रहेगा। मुख्यमंत्री के सचिव पोरवाल को आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश माध्यम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पोरवाल के पास पहले से ही जनसंपर्क सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी है। मनीष सिंह का तबादला होने से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई को मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

पदोन्नति भी करीब

वहीं भारतीय पुलिस सेवा के मप्र काडर में दो अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, 13 महानिरीक्षक और 18 पुलिस उप महानिरीक्षकों के पदों की स्वीकृति दे दी है। इससे इन पदों पर अधिकारियों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए पदोन्नति समिति की बैठक (डीपीसी) पहले ही हो चुकी है, पर पद सृजित नहीं होने के कारण पदोन्नति नहीं हो पा रही थी। अब जल्द ही पदोन्नति आदेश जारी हो जाएंगे।

प्रशासन का विकेंद्रीकरण व परितर्वन जल्द

जानकार सूत्रों का कहना है कि मप्र में मौजूदा विस सत्र के समापन के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण बदलाव भी होने वाले हैंराज्य में अफसरों की जमावट सीएम अपनी सुविधा के मुताबिक कर रहे हैं। बताया जाता है कि कुछ जिलों में कलेक्टर व कमिशन्र भी बदले जाने हैं। हाालांकि मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दो दिन पहले भी बड़े बदलावों के संकेत दिए थे । जब उन्होंने कहा था कि प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा। नए विधायकों और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को अपनी भूमिका का निर्वहन प्रभावी तरीके से करने में मदद के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यादव का कहना है कि विकेंद्रीकरण ऐसा होगा कि जिले पर जिला स्तरीय इकाई, संभाग पर संभाग स्तरीय इकाई और प्रदेश स्तर पर प्रदेश स्तरीय इकाई काम करें। यह इकाइयां विकास गतिविधियों के धरातल पर क्रियान्वयन में अपना श्रेष्ठतम योगदान दें।

सीएम ने किया पांदुर्ना का औचक दौरा

उल्लेखनीय है कि कल सीएम यादव अचानक पांडुर्णा पहुंचे थे। छिंदवाड़ा का हिस्सा रहा यह इलाका हाल में जिला बना है। गौरतलब है कि भजापा की पूरी निगाह छिंदवाडा पर है। क्योंकि यहवी एक सीट है जो लोकसभा में कांग्रेस के कब्जे में है। कल सीएम ने यहां जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा सभी के विकास के लिए लगातार कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाएंगे। जनता के हित में लगातार कार्य किए जायेंगे। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पहली बार आप सभी के बीच संवाद करने आया हूं। यह सिर्फ एक शुरुआत है, मैं लगातार आपके बीच जाकर संवाद करता रहूंगा। संवाद के इस सिलसिले को जनसंवाद का नाम दिया गया है।

नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का मामला

माननीय की मांस पार्टी और कमेन्ट्री! सहयोगियों से ही जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आम आदमी तो दूर बाघ के नजदीक परिंदा भी पर नहीं मार सकते, लेकिन प्रदेश के पूर्व वन मंत्री विजय शाह ता झाम के साथ न केवल घंटो बाघों की उपस्थिति वाले सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के जंगल में रहे बल्कि वहीं मांस भी पकवाया। बकायदा खाना खाया और मस्ती भी की। इसका राज उन्हीं के द्वारा बनाए गए वीडियो में खुला। वरिष्ठ स्तर पर जांच करने की बजाए वन विभाग के अधिकारियों ने उन्हीं को जांच सौंप दी है जिन्होंने पूर्व मंत्री की मांस पार्टी में कहीं न कहीं सहयोग किया, उन्हें बाघों की मौजूदगी वाले जंगल के अंदर तक लेकर गए, उनके लिए प्रतिबंध के बावजूद अंदर तक मांस पहुंचाया गया, आग जलवाई गई।

यह है मामला

पूर्व वन मंत्री विजय शाह के कुछ वीडियो सामने आए हैं। जिसके बाद आरटीआई कार्यकर्ता अजय दुबे ने शिकायत की है। इस आधार पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक पीसीसीएफ वन्यप्राणी विभाग असीम श्रीवास्तव ने जांच के निर्देश दिए है। मांस पार्टी पिछले हफ्ते करना बताया जा रहा है। वीडियो में पूर्व वन मंत्री खुद बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे एक नहीं बल्कि कई वीडियो है, जिसमें विजय शाह, उनके दोस्त, वन विभाग का अमला दिख रहा है। घने जंगल के बीच पहाड़ी पर मांस पार्टी का पूरा सीन दिखाई दे रहा है। हालांकि शाह ने कहा है कि जहां वह गये थे वहां कैंप है व कर्मचारी खुद का भोजन भी बनाते है,जबकि मैं चिकन नहीं खाता।

इसमें क्या पकाया, जवाब मिला चिकन है सर

वीडियो में कोर क्षेत्र के अंदर वनकर्मी मांस पकाते, बरता, दाल–बाटी बनाते दिखाई दे रहे हैं। शाह के पूछने पर वनकर्मी कह रहे हैं इसमें चिकन बनाया है। शाह के दोस्त भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं जो पहाड़ी की ओर जाते हुए पूछ रहे हैं कि खाना यहीं खाएंगे या पहाड़ी पर...। जवाब में पूर्व मंत्री यहीं खाएंगे कहते सुनाई दे रहे हैं। पूर्व मंत्री कह रहे हैं शानदार पार्टी तो आज है।

मप्र कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष पटवारी ने किया पदभार ग्रहण

भाजपा सरकार ने 18 साल में प्रदेश की जनता को ठगने का काम किया: पटवारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर हजारों कांग्रेसजनों की बीच पदभार ग्रहण किया। पटवारी उज्जैन, देवास, सोनकच्छ, आष्टा, सीहोर बायपास मार्ग से होते हुए सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ भोपाल पहुंचे और बैरागढ़ से एक रैली के रूप में इमामी गेट, लिली टॉकीज, रोशनपुरा, लिंक रोड से होते हुए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे जहां उन्होंने एक बड़ी सभा के बीच पदभार ग्रहण किया। साथ मप्र विधानसभा के नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे भी पटवारी के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। पटवारी ने सभा को संबोधित करने के बाद तृतीय तल स्थित कक्ष में विधि-विधान से पूजा अर्चन कर पदभार ग्रहण किया। पटवारी ने कहा कि प्रदेश दो पटरियों पर चलता है एक सत्ता की जो प्रदेश की सेवा करें और दूसरे विपक्ष जो जनता की आवाज को उठाने का काम करती है, जो वचन पत्र भाजपा ने उसको पूरा कराने की जिम्मेदारी होती है। अब हमारे हाथों में भाजपा का वचन पत्र होना चाहिए। भाजपा सरकार ने 18 सालों में प्रदेश की जनता को ठगने का काम किया है।

राज्यपाल ने जनजाति आदिवासी न्याय अभियान की समीक्षा की

अभियान का संचालन संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ किया जाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारिया, सहरिया और बैगा जनजाति की बसाहटों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं और सेवा केन्द्रों की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाए। मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, आवश्यकता और पूर्ति की जानकारी को तहसीलवार संकलित कराने के निर्देश दिए हैं। यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान की समीक्षा के दौरान कही। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि महाअभियान का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। जरूरी है कि विशेष पिछड़ी जनजाति भारिया, सहरिया और बैगा की चिंहित बसाहटों के बाहर निवास करने वाले हितग्राहियों को महा अभियान के तहत लाभांवित किया जाए। अभियान की गतिविधियों का संचालन संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ किया जाए। उन्होंने जनजाति परिवारों की आजीविका के लिए संचालित दुधारू पशु योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर | **राजस्व विभाग ने जारी किए आदेश**

पटवारियों का एग्रीस्टैग भत्ता नहीं रोका जाएगा, जारी रहेगा भुगतान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश भर के पटवारियों को मिलने वाला एग्रीस्टैग भत्ता नहीं रोका जाएगा। इसका भुगतान होता रहेगा। इस संबंध में राजस्व विभाग ने आयुक्त भू–अभिलेख को पत्र लिखा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 19 हजार पटवारी है, जिन्हें इस भत्ते के तहत 4000 रुपये प्रति माह मिलते हैं, इसकी शुरूआत चुनाव के पूर्व से ही हुई थी लेकिन प्रदेश के कुछ पटवारियों को यह मिला है और कुछ को नहीं मिला है। जिसके कारण वंचित पटवारियों में रोष बढ़ रहा है, जिसे देखते हुए विभाग ने आदेश जारी किए हैं। जिन पटवारियों को यह भत्ता नहीं मिला है उनका कहना है कि कुछ जिलों में भत्ता भुगतान किए जाने के बिल संबंधित लिपिकों द्वारा देरी से लगाए गए थे तो कुछ जिलों में स्थिति स्पष्ट नहीं थी। इस तरह वेतन भुगतान का समय नजदीक आ गया और भत्ते का भुगतान अटक गया था। उल्लेखनीय है कि भोपाल समेत कई जिलों के पटवारियों को नवंबर माह में मिली अक्टूबर महीने की वेतन में भत्ते की राशि जुड़कर मिली थी उसके बाद भुगतान नहीं हुआ।

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें

प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल

फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

सुविचार

''जीवन में प्रयास सदैव कीजिए, लक्ष्य मिले या अनुभव दोनों ही अमूल्य हैं।''

-अज्ञात

संपादकीय

इस बार चीनी कम

हर वर्ग के लिये सबसे जरूरी शक्कर यानि चीनी की उत्पादकता घटने से कई तरह की दिक्कतें सिर उठाने के लिये तैयार हैं। इनमें सबसे बड़ी दिक्कत है कीमतों में इजाफे की आशंका। उत्पादन में कमी की वजह से चीनी की कीमतें बढ़ने की आशंका सिर उठाने लगी है। यानि इस वर्ष भी चीनी के निर्यात पर रोक लगाने के अलावा कोई उपाय नहीं होगा। चीनी उत्पादन के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। भारतीय चीनी मिल संघ की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू विपणन वर्ष में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन 74.05 लाख टन हुआ, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 82.95 लाख टन उत्पादन हुआ था। यानी इस वर्ष ग्यारह फीसद चीनी का उत्पादन कम हुआ है। इसका कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी का उत्पादन कम होना बताया जा रहा है। इस वर्ष पेराई सत्र भी करीब पंद्रह दिन देर से शुरू हुआ। इस वर्ष उप्र में चीनी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हुआ। वहां उत्पादन 15 दिसंबर तक ब? कर 22.11 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 20.26 लाख टन था। इस वर्ष महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 33.02 लाख टन से घटकर 24.45 लाख टन और कर्नाटक में 19.20 लाख टन से घटकर 16.95 लाख टन रह गया है। यह साफ नजर आने लगा है कि पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह इस क्षेत्र में गतिरोध पैदा हो रहा है, उसके मद्देनजर चीनी के निर्यात में कमी करनी पड़ रही है। घरेलू आपूर्ति को ब?ावा देने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने चालू विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की अनुमति नहीं दी है। इस वर्ष चीनी का उत्पादन 325 लाख टन होने की उम्मीद है। इसके अलावा 56 लाख टन चीनी का भंडारण है। जबकि खपत 285 लाख टन रहने का अनुमान है। ऐसे में सुरक्षित भंडार में चीनी रखने के बाद अधिक निर्यात की गुंजाइश नहीं रहेगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतें पहले ही काफी ऊंची हैं। इसलिए वहां से चीनी मंगाने का फैसला करना मूल्य नियंत्रण के मामले में परेशानी पैदा करने वाला होगा। कुछ दिनों पहले चीनी उत्पादन में गिरावट को देखते हुए सरकार ने गन्ने के रस से एथेनाल बनाने पर रोक लगा दी थी, हालांकि अब वह हटा ली गई है। पर जाहिर है, इससे एथेनाल के उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ा है। दरअसल, पेराई सत्र देर से शुरू होने और चीनी उत्पादन में कमी का मुख्य कारण गन्ने की बुआई का रकबा घटना है। हालांकि गन्ना सबसे सुरक्षित नगदी फसल मानी जाती है। इस पर मौसम की मार का भी बहुत असर नहीं पड़ता। मगर किसान गन्ना बोने में रुचि कम लेने लगे हैं तो इसकी बड़ी वजह चीनी मिलों द्वारा समय पर भुगतान न किया जाना और पेराई सत्र समय से पहले ही समाप्त कर देना रहा है। मिलें गन्ना नहीं खरीद पातीं, इसलिए हर वर्ष बहुत सारे किसानों को खेत में ही खड़ी फसल जलानी पड़ जाती है। यद्यपि चालू चीनी मिलों की संख्या पिछले वर्ष के बराबर ही है, मगर यह उजागर तथ्य है कि उनकी पेराई क्षमता कम हुई है। अधिकतर सरकारी और सहकारी चीनी मिलें बीमार हाल में ही हैं। उनके रखरखाव और क्षमता विकास पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाता, इसलिए वे कम उत्पादन कर पाती हैं। फिर, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र आदि के गन्ना किसानों को काफी जद्दोजहद करने के बाद आधा-अधूरा भुगतान मिल पाता है, जबकि नियमानुसार पंद्रह दिन में भुगतान हो जाना चाहिए। हालात तो यही बता रहे हैं कि शकर की मिठास बनाए रखने के लिये मौजूदा व्यवस्थाओं को सुधारने ही विकल्प है।

आज का इतिहास

- **1784 :** जॉन जे अमेरिका के पहले विदेश मंत्री बने।
- **1898:** रसायन शास्त्री पियरे और उनकी पत्नी मेरी क्यूरी ने रेडियम की खोज की। इसका इस्तेमाल कैंसर के इलाज के लिए भी होता है। दोनों को 1903 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1910 : इंग्लैंड के हुलटन में कोयला खदान विस्फोट में 344 श्रमिकों की मौत।
- 1914 : अमेरिका में पहली मूक हास्य फीचर फिल्म 'तिल्लीस पंचर्ड रोमांस' रिलीज हुई।
- **1921 :** अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने धरना प्रदर्शन और काम रोकने को असंवैधानिक घोषित किया।
- 1923 : ब्रिटेन के संरक्षित राज्य के दर्जे से मुक्त होकर नेपाल पूर्ण स्वतंत्र देश बना।
- **1931:** अर्थर वेन का बनाया दुनिया का पहला क्रॉसवर्ड न्यूयॉर्क वल्र्ड अखबार में प्रकाशित हुआ।
- **1937:** स्नोवाइट एंड सेवन ड्वॉर्फ्स नाम की कार्टून मूवी रिलीज हुई। दुनिया की इस पहली फुल लेंथ एनिमेटेड फीचर फिल्म ने वॉल्ट डिज्नी को दुनिया के सबसे इनोवेटिव और क्रिएटिव मूवी मेकर के रूप में स्थापित किया।
- **1949 :** पुर्तगाली शासकों ने इंडोनेशिया को संप्रभु राष्ट्र घोषित किया।

ओपीएस को लेकर भाजपा के स्टैंड पर मुहर

केएस तोमर

हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने जैसे पुरानी पेंशन स्कीम बहाली की मांग ठुकराने के बावजूद तीन राज्यों में जो निर्णायक जीत दर्ज की है, उससे इस धारणा को बल मिलता है कि भाजपा भविष्य में भी नयी पेंशन स्कीम को ही लागू करेगी, जिसे सरकार देश के आर्थिक हित में बड़ा कदम समझती है। एनपीएस को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का मत था कि देश के हित में यह निर्णय लाभकारी होगा। इसी कारण उन्होंने पुरानी पेंशन योजना को हटाकर नयी पेंशन योजना लागू करने का निर्णय लिया था। नयी योजना निवेश आधारित और लाभकारी मान कर 2003 में लागू की गई थी। यह सोच थी कि भविष्य में देश को आर्थिक बोझ और राज्यों को वित्तीय संकट से बचाने के लिए नयी नीति आवश्यक है। अन्यथा पूरा आर्थिक ढांचा ही तबाह हो जाएगा।

जानकारों के अनुसार यह सही है कि हिमाचल में कांग्रेस की जीत का मुख्य कारण ही पुरानी पेंशन की बहाली का वादा रहा। कुछ हद तक इसका लाभ कर्नाटक चुनावों में भी मिला। लेकिन इस पुरानी पार्टी को तीन राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम बहाली की घोषणा का कोई लाभ नहीं मिला और शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके कि कांग्रेस की राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सरकारों ने ओपीएस को लागू भी कर दिया था।झारखंड व पंजाब राज्य सरकारों ने भी ओपीएस लागू कर दी है। कर्नाटक ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक सदस्य समिति गठित की है। उधर किसी भी भाजपा शासित राज्य सरकार ने ओपीएस बहाली का कदम नहीं उठाया है जो केंद्र की इस बाबत साफ़ नीतिगत सोच दर्शाता है क्योंकि राष्ट्रीय हित में इसे दोबारा लागू करना सही नहीं माना गया।

यद्यपि हिमाचल और कर्नाटक चुनावों में भाजपा की हार के लिए ओपीएस का मुद्दा महत्वपूर्ण माना गया, लेकिन इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच राज्यों के चुनावों में एक बड़े राजनीतिक जोखिमपूर्ण निर्णय के तहत दबाव को अनदेखा करते हुए कर्मचारियों को ओपीएस की बहाली का वादा नहीं किया। दरअसल, कर्मचारियों का नकारात्मक रवैया इन चुनावों में इतना प्रभावशाली नहीं रहा जो अन्य मुद्दों पर हावी होकर चुनावी नतीजे बदल सकता। कठिन लगता है कि अब भविष्य में ओपीएस बहाली पर केंद्र विचार करे।इसके विपरीत कांग्रेस 2024 में अपनी स्थिति सुधारने के लिए ओपीएस मुद्दे को भुनाने का प्रयास करेगी। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता जता रहे हैं कि ओपीएस के कारण केंद्रीय व राज्य कर्मचारी उनका समर्थन करेंगे। केंद्रीय व राज्य कर्मचारियों की संख्या 4 करोड़ 60 लाख के लगभग है। इंडिया गठबंधन इस मुद्दे को अपने घोषणापत्र में शामिल करेगा। हिमाचल और पंजाब ने ओपीएस लागू कर दिया है जबकि इन राज्यों पर 2 लाख 63 हजार करोड़ और 90000 करोड़ के ऋण हैं। पुरानी पेंशन लागू होने से भार और बढ़ेगा। आंकड़ों के अनुसार पेंशन मद पर प्रदेश सरकारें बजट का 2.1 प्रतिशत खर्च करती थीं, जो बढ़ कर 9.8 प्रतिशत हो गया है। आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। वर्ष 2014 से 2019 के मध्य इसमें 15.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। केंद्र सरकार ने संसद को बताया है कि 2020-21 में 70 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को पेंशन के रूप में 2 लाख 54 हजार करोड़ का भुगतान किया गया। हर वर्ष इसमें बढ़ोतरी होने की आशंका है। ऐसे राज्यों द्वारा ओपीएस लागू करने पर हर वर्ष 1.56 लाख करोड़ खर्च होंगे।

जाने-माने अर्थशास्त्री ओपीएस की बहाली का जोरदार विरोध कर रहे हैं। उनका मत है कि भविष्य में अर्थव्यवस्था पर इसके दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे और यह असर सभी क्षेत्रों को प्रभावित करेगा। भंग किए गए योजना आयोग के उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कुछ राज्यों द्वारा ओपीएस बहाली को घातक बताते हुए आशंका जताई कि इससे राज्य दिवालिया हो जाएंगे। पूर्व केंद्रीय वित्त सचिव और लेखा नियंत्रक राजीव महर्षि ने 2023 चुनावों से पहले राजस्थान सरकार द्वारा ओपीएस बहाली पर कहा था कि अन्य राज्य भी इसका अनुसरण करेंगे क्योंकि वह नयी पेंशन योजना में अपना हिस्सा जमा करवाने से बच जाएंगे। उनका कहना था कि राजनीतिक लाभ के इस गलत निर्णय का दुष्परिणाम 2035 के बाद पता चलेगा, जब कर्मचारी, जो इस समय एनपीएस के अंतर्गत हैं, रिटायर होंगे। रिजर्व बैंक ने भी एक रिपोर्ट में साफ़ किया है कि ओपीएस बहाली के कारण इतना बोझ बढ़ेगा कि उसे उठाना मुश्किल हो जाएगा। पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली का असर नयी योजना से लगभग 4.5 गुना अधिक होगा। इस कारण 2060 में जीडीपी पर लगभग 0.9 प्रतिशत भार बढ़ेगा। आज से 23 वर्ष पूर्व की गयी छानबीन के अनुसार केंद्र व राज्यों द्वारा ओपीएस के भुगतान का कुछ समय बाद असर होगा कि मद पर किया जाने वाला खर्च इतना अधिक होगा कि उसे संभालना कठिन होगा और अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

भारत ही दुनिया में मानव-एकता को बल देने में सक्षम

ललित गर्ग

विविधता में एकता दर्शाने, मानवीय मूल्यों को बल देने, विभिन्न सरकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए समझौतों को याद दिलाने, लोगों के बीच एकजुटता के महत्व को बताने, सतत विकास के लिए लोगों, सरकारों को प्रेरित करने, गरीबी को मिटाने के नए रास्ते खोजने एवं लोगों को गरीबी, भुखमरी, बीमारियों से बाहर निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच मानवीय एकता के महत्व को बताने के लिए, गरीबी पर अंकुश लगाना और विकासशील देशों में मानव और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है। संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। यह दिवस एक बेहतर दुनिया के निर्माण में साझा जिम्मेदारी की एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। एकता, समानता और करुणा को ब?ावा देने वाली गतिविधियों के माध्यम से, यह दिन भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में कार्य करता है जहां एकजुटता गरीबी उन्मूलन और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देने के पीछे प्रेरक शक्ति बन जाती है।

2023 की थीम है 'परिवर्तन की वकालत'। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, हाल ही में जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता का दायित्व भारत ने निभाते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के उद्घोष के साथ दुनिया को प्रभावी मानव एकता का सन्देश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को मानव एकता की दृष्टि से एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बलशाली बनाने का प्रेरक धरातल दे रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 'संयुक्त राष्ट्र के निर्माण ने विश्व के लोगों और राष्ट्रों को एक साथ शांति, मानवाधिकारों और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आकर्षित किया। संगठन की स्थापना अपने सदस्यों के बीच एकता और सद्भाव के मूल आधार पर की गई थी, जो सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा में व्यक्त की गई थी, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने सदस्यों की एकजुटता पर निर्भर करती है। अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस सतत विकास एवं समतामूलक विकास के एजेंडा पर आधारित है, जो अपने आप में गरीबी, भूख और बीमारी जैसे कई दुर्बल पहलुओं से लोगों को बाहर निकालने के लिए केंद्रित है। 'मिलेनियम डिक्लेरेशन' को ध्यान में रखते हुए, एकजुटता को 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक माना जाता है, जिसके तहत कम से कम लाभ उठाने वाले और सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करने वाले लोग उन लोगों की मदद के योग्य होते हैं जिन्हें सबसे अधिक लाभ मिलता है।

गरीबी का कारण हिंसा, आतंक, अप्रामाणिकता, संग्रह, स्वार्थ, शोषण और क्रूरता आदि हैं इनके दंश मानवता को मूर्च्छित कर रहे हैं एवं मानव एकता की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। इस मूर्च्छा को तोड़ने के लिए अहिंसा और सह-अस्तित्व का मूल्य बढ़ाना होगा तथा सहयोग एवं संवेदना की पृष्ठभूमि पर स्वस्थ समाज-संरचना की परिकल्पना को आकार देना होगा। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता मानव एकता का आधार तत्व है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा, तब तक वह उसके प्रति संवेदनशील नहीं बन पाएगा। जिस देश और संस्कृति में संवेदनशीलता का स्रोत सूख जाता है, वहाँ मानवीय रिश्तों में लिजलिजापन आने लगता है। अपने अंग-प्रत्यंग पर कहीं प्रहार होता है तो आत्मा आहत होती है। किंतु दूसरों के साथ ऐसी घटना घटित होने पर मन का एक कोना भी प्रभावित नहीं होता। यह संवेदनहीनता की निष्पत्ति है। इस संवेदनहीन मन की एक वजह सह-अस्तित्व का अभाव भी है। आज हम इतने संवेदनशून्य हो गये हैं कि औरों का दुःख-दर्द, अभाव, पीढ़ा, औरों की आहें हमें कहीं भी पिघलाती नहीं।

आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भीखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है। महात्मा गांधी ने कहा है कि आपको मानवता में विश्वास खोना नहीं चाहिए। मानवता एक महासागर है। यदि महासागर की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो भी महासागर गंदा नहीं होता है।' ऐसे ही विश्वास को जागृत करने के लिये ही विश्व मानव एकता दिवस की आयोजना की गई है।

देश और दुनिया में निर्दोष लोगों की हत्याएं, हिंसक वारदातें, आतंकी हमले, अपहरण, जिन्दा जला देने की रक्तरंजित सूचनाएं, महिलाओं के साथ व्यभिचार-बलात्कार की वारदातें पढ़ते-देखते हैं पर मन इतना आदती बन गया कि यूं लगता है कि यह सब तो रोजमर्रा का काम है। न आंखों में आंसू छलकते हैं, न पीड़ित मानवता के साथ सहानुभूति जुड़ती है। न सहयोग की भावना जागती है और न नृशंस क्रूरता पर खून खौलता हैं। हमें सिर्फ स्वयं को बचाने की चिन्ता है। तभी औरों का शोषण करते हुए नहीं सकुचाते। हमें संवेदना को जगाना होगा। तभी जे.के. राउलिंग ने कहा भी है कि हमें दुनिया को बदलने के लिये जादू की आवश्यकता नहीं है। हम बस मानव की सेवा करके ऐसा आसानी से कर सकते हैं।' इसी मानव-सेवा की मूल भावना मानव एकता दिवस का हार्द है।

भारत की संस्कृति एवं दर्शन मानव एकता से प्रेरित रहा है, उसके अनुसार सामाजिक मूल्य-परिवर्तन और मानदंडों की प्रस्थापना से लोकचेतना में परिष्कार हो सकता है। इस दृष्टि से विश्व मानव एकता दिवस की उपयोगिता बढ़-चढ़ कर सामने आ रही है। इसलिये ऑड्रे हेपबर्न ने कहा था कि जब तक दुनिया अस्तित्व में है, अन्याय और अत्याचार होते रहेंगे। जो लोग सक्षम और समर्थ हैं, उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि वे लोग अपने से निर्बल लोगों को भी स्नेह दें। विश्व मानव एकता दिवस दुनिया भर में मानवीय जरूरतों पर ध्यान आकर्षित करने की मांग करता है और इन जरूरतों को पूरा करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व की आवश्यकता को व्यक्त करता है। हर साल, आपदाओं एवं मानव-भूलों से लाखों लोगों विशेषतः दुनिया के सबसे गरीब, सबसे हाशिए पर आ गये लोग और कमजोर व्यक्तियों को अपार दुःख का सामना करना पड़ता है। मानवतावादी सहायताकर्मी इन आपदा प्रभावित समुदायों एवं लोगों को राष्ट्रीयता, सामाजिक समूह, धर्म, लिंग, जाति या किसी अन्य कारक के आधार पर भेदभाव के बिना जीवन बचाने में सहायता और दीर्घकालिक पुनर्वास प्रदान करने का प्रयास करते हैं। वे सभी संस्कृतियों, विचारधाराओं और पृष्ठभूमि को प्रतिबिंबित करते हैं और मानवतावाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से वे एकजुट हो जाते हैं। इस तरह की मानवतावादी सहायता मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता और स्वतंत्रता सहित कई संस्थापक सिद्धांतों पर आधारित है। मार्टिन लूथर किंग ने इसकी उपयोगिता को उजागर करते हुए कहा कि यह प्यार और स्नेह है, जो हमारी दुनिया और हमारी सभ्यता को बचाएगा।' आज अनुभव किया जा रहा है कि देश एवं दुनिया विकृतियों की शूली पर चढ़ा है। नैतिक मूल्यों के आधार पर ही मनुष्य उच्चता का अनुभव कर सकता है और मानवीय प्रकाश पा सकता है। मानव एकता का प्रकाश सार्वकालिक, सार्वदेशिक, और सार्वजनिक है। इस प्रकाश का जितनी व्यापकता से विस्तार होगा, मानव समाज का उतना ही भला होगा। इसके लिए तात्कालिक और बहुकालिक योजनाओं का निर्माण कर उनकी क्रियान्विति से प्रतिबद्ध रहना जरूरी है। यही विश्व मानव एकता दिवस मनाने को सार्थक बना सकता है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी उमा पटेल ने मास्टर स्टेट चैंपियनशिप में जीते 3 गोल्ड

नर्मदापुरम। वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी एवं जिला खेल अधिकारी नर्मदापुरम उमा पटेल ने उज्जैन में आयोजित मास्टर स्टेट चैंपियनशिप प्रतियोगिता में तीन गोल्ड जीत हैं। उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पावरलिफ्टिंग के तीन इवेंट स्क्वाट,बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट में 3 गोल्ड जीते हैं।इस शानदार प्रदर्शन पर उनका चयन फरवरी 2024 में गोवा में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप के लिए किया गया है।

जिले भर में निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

प्रदेश के साथ ही जिलेभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा 19 दिसम्बर को जिले की अनेक ग्राम पंचायतों से निकाली गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए छूटे हुए हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा 19 दिसम्बर को जनपद सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत भमेड़ीदेव और खारदा, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत खापरखेड़ा और गाढ़ाघाट, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत नया भाड़भूड़ और नया मल्लूपूरा, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत केसला और भेरूपुर, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत शुल्कारवाड़ाफार्म और जावली में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत उटियाकिशोर एवं महुआखेड़ा कला में संकल्प यात्रा पहुंची और यहां हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस दौरान हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए गए और अनेक विभागों द्वारा लगाए गए शिविरों में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। अनेक ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस दौरान मोबाइल वैन के माध्यम से योजनाओं से जुड़ी प्रचार प्रसार सामग्री का ग्रामीणों को वितरण एवं प्रधानमंत्री श्री मोदी के संदेश का प्रसारण भी किया गया।

आज इन ग्राम पंचायतों में पहुंचेगी संकल्प यात्रा

20 दिसंबर को जनपद सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत रजोराजाट और रजोराकुर्मी, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत मरकाढाना और पोसेरा, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत कालाआखर और चारटेकरा, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदोन और देवरी, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत आंचलखेड़ा और मनवाड़ में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गलचा एवं भानपुर में संकल्प यात्रा पहुंचेगी और यहां हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मोरण परियोजना के अंतर्गत बनने वाले डैम के अधिकारियों ने गिनवाए लाभ

डेम बनेगा तो 211गांव की 52,205 हैक्टेयर कृषि भूमि में होगी सिंचाई

आदिवासियों ने कहा हमें डेम किसी कीमत पर नहीं चाहिए

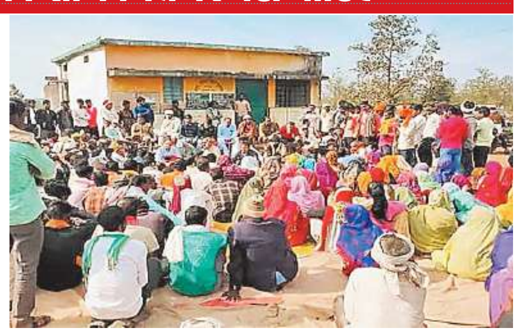

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

तहसील के अंतर्गत ग्राम मोरघाट के पास सांकलीडोहा नमक मोरन नदी में बनने वाले डेम को लेकर मंगलवार को एनबीडीए के अधिकारियों और आदिवासी लोगों के बीच एक बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें अधिकारियों ने डैम बनने से होने वाले फायदे जिनबाए और पूरी जानकारी दी किंतु आदिवासियों ने सपाट लहजे में कहा हमें डैम नहीं चाहिए ।

आदिवासी अंचल के ग्राम मोरघाट के पास ही मोरन नदी में सांकलीडोह नामक स्थान के पास डेम बनना तय है इसके सर्वे का अनेक चरणों का कार्य पूरा हो चुका है । डैम के निर्माण की अगली कार्रवाई करने के उद्देश्य से एनबीडीए के अधिकारियों सहित स्थानीय अधिकारियों की एक बैठक आज मोरघाट में संपन्न हुई। इस बैठक में एनबीडीए के अधिकारियों ने डैम निर्माण के बाद क्षेत्र में होने वाले फायदे और सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी उन्होंने यह भी बताया कि आपकी भूमि का सही-सही मूल्यांकन कर जो भी मुआवजा निश्चित होगा आपको दिया जाएगा साथ ही शासन की ओर से मिलने वाली सुविधाओं का विस्तार से वर्णन किया काफी सुनने के बाद जब ग्रामीणों से उनका मत जानना चाह तो ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमें कोई सुविधा नहीं चाहिए। सदियों से जंगल को हमारे पूर्वज सहेजते आए हैं हम उसे नष्ट नहीं होने देंगे और हमें कोई भी रुपया नहीं चाहिए, हम जैसे हैं वैसे अच्छे हैं यदि डैम बन जाएगा तो हमारी खेत खलियान हमारे गांव हमारी चरोखर सभी नष्ट हो जाएंगे । आदिवासी ग्रामीणों ने अपनी मांग भी अधिकारियों के सामने रखते हुए कहा कि हमें अपनी जमीन के बदले प्रत्येक परिवार को 10 एकड़ जमीन, 18 वर्ष से ऊपर प्रति व्यक्ति को 5 लाख रुपए, मकान के लिए 5 लाख और दुकान वगैरा के लिए पांच 5 लाख दिया जाए ।

यह गांव होंगे विस्थापित

मोरन नदी पर बनने वाले बांध से नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा के ग्राम मोरघाट, लही, कामठा और सामरधा, बैतूल जिले के झिरियाडोह और जामनगरी विस्थापित होंगे । इसी प्रकार गंजाल नदी पर बनने वाले बांध से हरदा जिले के ग्राम बोथी और कायरी आंशित रूप से डूब में आयेंगे । मोरन नदी पर बनने वाले डेम से 472 परिवार और गंजाल नदी पर बनने वाले डेम से 172 परिवार विस्थापित होंगे । इन परिवार की पुर्नस्थापना के लिए भी शासन ने सुविधायुक्त विस्थापन योजना तैयार की है । मोरन गंजाल डेम परियोजना में 2371.14 हेक्टेयर में लगा जंगल जलमग्न हो जाएगा ।

211गांव की 52,205 हेक्टेयर भूमि में होगी सिंचाई

मोरन और गंजाल नदियों पर बनने वाले बांधों से नर्मदापुरम जिले के 28 गांव की 4,617 हेक्टेयर भूमि, खंडवा के हरसूद तहसील के 62 गांव की 17,678 हेक्टेयर भूमि तथा हरदा जिले की हरदा, खिरकिया, सिराली और रहटगांव तहसील के 121 गांवों की 29,910 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी । परियोजना से कुल 52,205 हेक्टेयर कमांड क्षेत्र निर्मित होगा । सिंचाई के साथ ही कमांड क्षेत्र के 211 गांव को पीने का पानी मिलेगा।

अधिकारियों और आदिवासियों के बीच बे-नतीजा रही बैठक

ग्रामीणों का मानना है कि गंजाल मोरंड परियोजना के निर्माण से सदियों से हमारे पूर्वजों ने संरक्षित और बचाए जंगल बड़ी मात्र में खत्म हो जाएंगे। इससे कि हमारे पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इस परियोजना से कई हेक्टेयर जंगल जलमग्न हो जाएगा।अत: इससे पर्यावरण को अपूर्णीय क्षति होगी। इस परियोजना के निर्माण से हमारी आजीविका का प्रमुख साधन खेती खत्म हो जाएगी जो हम नहीं चाहते हैं। साथ ही हमारे पशुओं के चरागाह, उनके लिए पानी के स्त्रोत खत्म हो जाएंगे। उनको पालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। अभी हमारे लिए उपलब्ध सेवाएं जैसे स्वास्थ्य, बच्चों कि आंगनवाड़ी, स्कूल और सुविधाएं भी खत्म हो जाएंगी। मोरंड गंजाल सिंचाई परियोजना के लाभ क्षेत्र के गांवों में से अधिकांश गांव में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हैं, सिंचाई के नाम पर घने जंगलों और सालों से आबाद गांव को उजाड़ना मंजूर नहीं।

कुसुम कालेज में एनसीसी कमान अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 13 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल हरप्रीत सिंह द्वारा महाविद्यालय एनसीसी इकाई का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय में संचालित एनसीसी इकाई के क्रेडिट के द्वारा कमान अधिकारी को सलामी दी गई उन्होंने महाविद्यालय एनसीसी परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण अधिकारी द्वारा एनसीसी इकाई के ऑफिस एवं स्टोर रूप का निरीक्षण किया गया उन्होंने महाविद्यालय परिसर में खेल मैदान एवं प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण किया एनसीसी छात्र-छात्रा से चर्चा की

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर रघुवंशी द्वारा कमान अधिकारी का पुष्प से स्वागत किया गया बही मिलेट्स एक उपयोगी अनाज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्रमुख वक्ता डॉ रमाकांत सिंह द्वारा मिलेट्स विषय पर अपने विचार व्यक्त किया तत्पश्चात महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉक्टर सुनील सोनी द्वारा मिले जीवन में आवश्यक है विषय पर अपने विचार व्यक्त किया महाविद्यालय प्राचार्य के द्वारा एनसीसी अपने करियर के लिए अति आवश्यक है और एकता अनुशासन का पाठ पढ़ती है उन्होंने भविष्य में अच्छे नागरिक बनने के लिए उपयोगिता बताइ कार्यक्रम में महाविद्यालय छात्राओं के द्वारा आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष सोनी एवं कुमकुम के द्वारा किया गया कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉक्टर एके यादव के द्वारा किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय एनसीसी अधिकारी सुनील सोनी डॉक्टर जया कैथवास डॉक्टर अतुल गौर एवं समस्त महाविद्यालय परिवार और लगभग 150 कैडेट उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने देवीलोक और मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर प्रवीण सिंह ने जिले की बुधनी तथा भैरून्दा जनपद में चल रहे अनेक निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता देखी और सभी निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सलकनपुर में चल रहे देवीलोक निर्माण के कार्यों के साथ ही मंदिर परिसर के अन्य कार्यों का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने बुधनी में मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी निर्माण कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करें और कार्यों की गुणवत्ता देखे।

कलेक्टर श्री सिंह ने भैरून्दा में अनेक निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की और चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों में गति लाते हुए सभी कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने भैरून्दा में भैरून्दा-सीहोर रोड के निर्माण कार्य को देखा और निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने भैरून्दा में चल रहे रेस्ट हाउस के निर्माण कार्य को देखा और निर्माण के दौरान गुणवत्तापूर्ण ढंग से सभी कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भैरून्दा में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा की और कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कार्यों में गति लाने के एनवीडीए के अधिकारी को निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नगरीय निकाय में चल रहे सीवरेज कार्य की समीक्षा भी की। कलेक्टर श्री सिंह ने भैरून्दा में चल रहे रेस्ट हाउस निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

'उचित मार्गदर्शन के अभाव में शोधकार्य संभव नहीं हो पाता'

नर्मदा महाविद्यालय में एकेडमिक पत्र लेखन पर हुआ वेबीनार का आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा एकेडमिक पेपर राइटिंग एंड पब्लिकेशन÷ पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य रिसर्च पेपर लिखने की तकनीक पर प्रकाश डालते हुए सबको मार्गदर्शन देना था। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ ओ.एन. चौबे ने कहा कि उचित मार्गदर्शन के अभाव में उच्च स्तरीय शोध कार्य संभव नहीं हो पाता है। शोध का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान के द्वारा नए सिद्धांतों की खोज करना, एवं पूर्व शोध के उद्धरण शामिल करना है। उन्होंने यह भी कहा कि एक शोध पत्र लिखने के लिए, कई कारकों पर विचार करना होता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ दिलीप जी गौरे नागपुर ने शोध पत्र लेखन की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र लिखने के लिए बुनियादी चरण जैसे पेपर का उद्देश्य, अनुसंधान विधि, निष्कर्षो को सारांशित करना, डाटा प्रबंधन, स्वयं का दृष्टिकोण प्रदर्शित करना, विषय सूची तैयार करना, तालिकाओं, चित्र एवं चार्ट की सूची बनाना, प्रभावपूर्ण प्रस्तावना लिखना, उद्धृत कार्य या संदर्भ पृष्ठ तैयार करना आदि शामिल है। शोधार्थी को पेपर लिखने के पश्चात चेकर्स के माध्यम से मौलिकता की जांच अवश्य करनी चाहिए। मुख्य अतिथि के प्रभावशाली व्याख्यान से सभी प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ रवि उपाध्याय द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ ममता गर्ग ने किया। बेबिनार में डॉ कमल वाधवा, डॉ अमिता जोशी, डॉ कमल चौबे, डॉ हंसा व्यास डॉ सविता गुप्ता, डॉ मीना कीर, डॉ आर एस बोहरे, डॉ बी एस आर्य तथा शोधार्थी भी वर्चुअली सम्मिलित हुए।

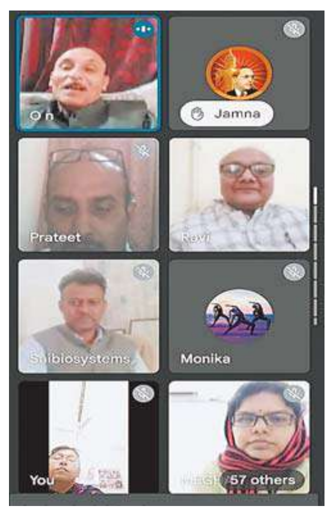

मेट्रो एंकर

जनसुनवाई में आए 55 आवेदन, शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए

आमजनों की समस्याओं का कलेक्टर ने किया निराकरण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कलेक्टर नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ आमजनों की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 55 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में तहसील सोहागपुर के ग्राम किशनपुर निवासी कृषक सोशल ठाकुर ने उनकी भूमि का सीमांकन नहीं होने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार तहसीलदार सोहागपुर द्वारा आवेदन कृषक के सीमांकन की तिथि निर्धारित की गई। साथ ही राजस्व निरीक्षक को सीमांकन के लिए निर्देशित किया और निर्धारित तिथि की सूचना आवेदक को दी गई।

इसी प्रकार तहसील इटारसी के सिंधी कॉलोनी निवासी पुष्पेंद्र तिवारी ने जनसुनवाई में बताया कि वे गंभीर बीमारी से ग्रस्त है, जिसका उपचार एक निजी अस्पताल में किया जा रहा। वे आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है और उनके पास आय का कोई साधन भी नहीं है। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने आवेदक को तत्काल रेडक्रॉस के माध्यम से 5000 रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। राशि का चेक आवेदक को दिया गया।

जनसुनवाई में केसला के ग्राम सहेली निवासी ललित यादव ने उनकी कृषि भूमि के पूर्व दिशा की ओर आम रास्ते पर अतिक्रमण किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने अतिरिक्त तहसीलदार केसला को आवेदक की भूमि का सीमांकन कर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जनसुनवाई में ग्राम नाहरकोला निवासी महेश कुमार ने अपनी कृषि भूमि का सीमांकन नहीं होने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार तहसीलदार सिवनीमालवा द्वारा आवेदक के सीमांकन की तिथि निर्धारित की गई। बताया गया की 22 दिसंबर को आवेदक की भूमि का सीमांकन ईटीएमएस मशीन द्वारा किया जाएगा

इसी प्रकार कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी गंभीरतापूर्वक सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल के कबाड़खाने में मिली लाश, मचा हड़कंप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय में एक अज्ञात शव मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार नर्सिंग ड्यूटी रूम के पास वाले रूम में अज्ञात व्यक्ति की लाश कहां से आ गई इसकी जानकारी किसी को नहीं है। गौरतलब हो शासकीय राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय की बिल्डिंग काफी बड़ी है कई रूम तो इसके उपयोग में ही नहीं आते हैं जिससे देख रेख भी कम होती है। शव मिलने की सूचना मिलने पर तुरंत बीएमओ भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार मृतक की उम्र 25 से 30 साल बताई जा रही है इसके पास एक मोबाइल भी मिला है जिसको पुलिस ने जप्त कर लिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है पता लगाया जा रहा है यह व्यक्ति कौन है।

इनका कहना है -

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है जिस रूम में कबाड़ा भरा रहता है वहां पर शव मिला है हमारी तरफ से जानकारी जुटाई जा रही है।

***डॉ विकास सिंह बघेल,** बीएमओ शासकीय राजीव गांधी अस्पताल सिरोंज*

जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश आवेदन मौके पर निराकृत हुए

विदिशा, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव के मार्गदर्शन में साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन हरेक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से कलेक्टेऊट के भूतल स्थित सभागार कक्ष में किया जाता है। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई कार्यक्रम में पचास आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है।

संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री विष्णुप्रसाद यादव ने बताया कि आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई कार्यक्रम में मौके पर तीस आवेदनों का निराकरण किया गया है शेष लंबित आवेदनों का समय सीमा में निराकृत कर की गई कार्यवाही की जानकारियां समग्र पोर्टल पर अंकित करने के निर्देश दिए गए है। जनसुनवाई कक्ष में संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर श्री अवनीश मिश्रा समेत अन्य विभागो के अधिकारियों के द्वारा पंक्तिवद्ध रो में बैठकर आवेदको से आवेदन प्राप्ति के उपरांत निराकरण की पहल की गई हैं।

सुबह जिन सड़कों की सफाई होनी चाहिए उनकी सफाई शाम को

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुख्य मार्गो की साफ सफाई नगर पालिका प्रशासन को सुबह ही करवानी चाहिए पर ऐसा होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। वही कुछ दिन छोड़कर मुख्य मार्गो की साफ सफाई होती है इसमें लिंक रोड मंडी बाईपास रोड शामिल है यहां पर कुछ दिनों के बाद मंगलवार को शाम के समय सफाई कर्मियों के द्वारा सफाई की जा रही थी इसके बाद सड़क पर धूल व कचरे को सड़क के किनारे ही रख दिया गया इसको कचरा वाहन में डालने का काम भी नगर पालिका सफाई अमले के द्वारा नहीं किया गया क्योंकि सफाई के साथ यह कचरा वाहन भी चलना चाहिए जिससे कि जो कचरा सड़क पर एकत्रित हो रहा है उसको कचरा वाहन में डाला जा सके सफाई के बाद एक कचरा वाहनों के आने जाने के दौरान फिर से सड़क पर फैल जाता है। शाम को साफ सफाई होने से धूल की वजह से दुकानदारों को भी परेशानी होती है इस बात का ध्यान भी नगर पालिका प्रशासन को रखना होगा। दूसरी ओर लिंक रोड का निर्माण हो रहा है यहां पर धूल के कारण दो पहिया वाहन चलाना भी मुश्किल हो रहा है। ठेकेदार की लापरवाही के कारण सभी को परेशानी हो रही है। आम जनता के साथ व्यापारियों को भी धूल की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। वहीं नगर पालिका प्रशासन को सड़कों पर झाड़ू सुबह लगवानी चाहिए जिस कि किसी भी व्यापारी एवं आम जनता को परेशानी ना हो अभी देर शाम को साफ सफाई होने से धूल दुकानदारों की दुकानों में भारती है उनको भी परेशानी होती है।

गूलरखेड़ी, चक्करघुनाथपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा तहत कार्यक्रम का आयोजन

विदिशा, दोपहर मेट्रो

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायत में कार्यक्रमों का आयोजन जारी है इसी क्रम में आज ग्राम पंचायत गूलरखेड़ी एवं चक्करघुनाथपुर में कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, सांसद प्रतिनिधि श्री कैलाश रघुवंशी, डॉ राकेश जादौन समेत अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों के द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन कर किया गया।

कार्यक्रम में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया साथ ही क्विज प्रतियोगिता में शामिल विजेताओं को मौके पर ही पुरस्कृत भी किया गया। इसके अलावा इन दोनों ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं के स्टॉल का निरीक्षण जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया गया। ग्राम पंचायत चक्करघुनाथपुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए कैंप का निरीक्षण विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने स्वास्थ्य उपचार शिविर में पहुंचकर उपचार सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर स्वयं के स्वास्थ्य की जांच कराई।

निकाय अमले द्वारा नया बस स्टैंड होते हुए बलेजा पेट्रोल पंप तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

अतिक्रमण अभियान जारी सख्ती से हटाया सामान किया जप्त, 15 पर चालानी कार्रवाई

सईद खांन, सिरोंज

सीएम बदलने के बाद प्रशासन की कार्रवाई में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। विगत कुछ दिन से नगर पालिका परिषद के द्वारा एसडीम के निर्देश पर शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। चेतावनी एलाउंसमेंट के बाद भी कच्चे पक्के निर्माण टीन सेट, झोपड़ी गुमठिया रखकर शासकीय जगह और सड़क पर अतिक्रमण कर रखा है उनके खिलाफ निरंतर कार्रवाई हो रही है। अतिक्रमण होने के कारण यातायात भी बाधित होता है दो पहिया और चार पहिया वाहनों के साथ कई बार एंबुलेंस और पुलिस प्रशासन के वहां भी जाम में अटक जाते हैं इसकी वजह से सभी को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस वजह से सभी अतिक्रमण धारी पर एक तरफ से कार्रवाई नगर पालिका प्रशासन के द्वारा की जा रही है, जिसकी नगर वासी सरायना भी कर रहे हैं।

अतिक्रमण को नहीं हटने वालों पर चालानी कार्रवाई के साथ अब उनके सामान को जप्त करने का काम भी किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को नगर पालिका परिषद के सामने एक चाय वाले के द्वारा अस्थाई रूप से टीन सेट करके अतिक्रमण कर लिया था उसको लगातार अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका अमले के द्वारा सूचित किया जा रहा था फिर भी उसके द्वारा समान नहीं हटाया तो नगर पालिका अतिक्रमण विरोधी अभियान के प्रभारी संजीव यादव ने अमले के साथ यहां पर पहुंच कर दुकानदार का टीन सेट निकाल कर जप्त कर लिया साथ ही पानी की टंकी को भी जप्त की इसके बाद आए स्थाई रूप से शासकीय सड़क पर सामग्री रखने वाले 15 दुकानदारों पर चलने कार्रवाई करते हुए 3300 रुपए के चालान भी बनाएं साथ ही जिन लोगों के मंडी बाईपास पर अतिक्रमण है उनको स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी भी दी गई है। यदि इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो नगर पालिका की जेसीबी की सहायता से तोड़कर इसको जप्त किया जाएगा ऐसे अस्थाई रूप से हुए अतिक्रमधारियों के नाम भी नगर पालिका अमले के द्वारा सूचीबद्ध किए जा। बस स्टैंड से लेकर तहसील रोड और पॉलिटेक्निक कॉलेज तक अतिक्रमण हट जाने से यहां पर सड़क काफी चौड़ी हो गई है। अब प्रशासन की कार्रवाई मंडी बाईपास रोड पर प्रारंभ हो गई है। एलाउंसमेंट के साथ नगरपालिका अमले के द्वारा चेतावनी भी दी जा रही है पहले चालानी कार्रवाई करते हैं इसके बाद अतिक्रमण हटाने वालों की सामग्री को जप्त करने की कार्रवाई भी नगर पालिका के द्वारा की जा रही है अभियान के प्रभारी संजीव यादव ने बताया कि नगर पालिका के सामने चाय वाले ने अस्थाई रूप से अतिक्रमण कर रखा था चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा था। जिसको हमने तोड़कर जप्त कर लिया है 15 दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 3300 वसूले गए हैं।

हाथी हमने सभी व्यापारी बंधुओ से आग्रह किया है, स्वयं अपना अतिक्रमण हटा ले एक दिन का समय दिया है। इसके बाद भी है अपना सामान नहीं हटाएंगे तो अब हम लोग जेसीबी से इसको तोड़कर जप्त करने की कार्रवाई करेंगे अभियान लगातार जारी वही अतिक्रमण विरोधी दल के आने की सूचना मिलने पर कई दुकानदार अस्थाई रूप से हुए सड़क पर रखी हुई सामग्री को दुकान के अंदर करते हुए दिखाई दिए।के पर से हटकर दुकान के अंदर रखते हुए दिखाई दिए दूसरी ओर इस बात की चर्चा भी हो रही है कि यदि अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई इसी तरह चलती रही तो पूरे शहर से अतिक्रमण है गया सड़के चौड़ी हो जाएगी तो जाम की समस्या से भी नगर वासियों को मुक्ति मिल जाएगी अभी अतिक्रमण होने के कारण दिनभर जाम के हालात बने रहते हैं।इससे मुक्ति दिलाने के लिए अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई इसी तरह जारी रहना चाहिए ओर भेदभाव रहित कार्रवाई नगर पालिका प्रशासन को करनी होगी जिस तरह की कार्रवाई अभी हो रही है ऐसी ही कार्रवाई एक तरफ से हो।

मेट्रो एंकर

जल संयंत्र केंद्र पहुँचकर पेयजल की आपूर्ति का लिया जायजा

कम वर्षा, बांध के घटते जलस्तर से गर्मियों में होगी पानी की किल्लत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के विभिन्न वार्डो में रहने वाली जनता की प्यास बुझाने ओर दैनिक उपभोग के लिए पानी की आपूर्ति करने वाले केथन डेम में इस बार अल्प वर्षा के कारण जलसंकट गहराता हुआ सा दिख रहा है। आने वाले दिनों में यह समस्या और अधिक बढ़ सकता है। इसी के मद्देनजर विधायक उमाकांत शर्मा पेयजल को लेकर अभी से गंभीर होकर काम करने के मूड में नजर आ रहे है जिससे गर्मियों के मौसम में नागरिकों को पर्याप्त पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। चुनाव जीतने ओर विजय जुलूस के बाद सिरोंज पहुँचे भाजपा के विधायक उमाकांत शर्मा ने सबसे पहले प्रशासन के साथ इसी गंभीर मुद्दे को लेकर योजना बनाने का काम किया है ताकि आने वाले अप्रैल मई जून माह में शहरवासियों को जल संकट का सामना न करना पड़े। हालाँकि उन्होंने शहरवासियों से व्यर्थ पानी न फेकने का आव्हान करते हुए सहयोग की अपेक्षा की है।

रविवार को प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक के उपरांत विधायक उमाकांत शर्मा अधिकारियों को लेकर भोपाल रोड स्थित जल संयंत्र केंद्र पर भी पहुँचे। वाटर फिल्टर पर बांध से पानी आने और फिल्टर होकर पेयजल के लिए पानी की भंडारण क्षमता का उन्होंने जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने इस परिसर में यहाँ वहाँ बिखरे कबाड़ और जीर्ण शीर्ण हो चुकी बिल्डिंग में बरती जा रही लापरवाही को लेकर भी नपा प्रबंधन को आड़े हाथों लिया। इसके बाद वह केथन बाँध में स्थित इंटेकबेल कुँए में लगी मोटर तथा अन्य मशीनरी व वैकल्पिक संसाधनों की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रशासन से पूर्व में बनाई योजना अनुसार डेम में नहर बनाकर कुँए तक पानी लाने वाली योजना पर भी बातचीत कर आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि रविवार को भाजपा विधायक उमाकान्त शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक बैठक कर नगर में पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति को लेकर सम्पूर्ण वैकल्पिक विकल्पों को तलाशने ओर उनके लिए पर्याप्त संसाधन जुटाने की बात कहते हुए चिंता जाहिर की थी।

प्राथमिकता से बने नाला

इसके बाद विधायक उमाकांत शर्मा लिंक रोड पहुँचे। यहाँ उन्होंने कायाकल्प योजना से बन रही सड़क का अवलोकन किया। यहाँ स्थानीय रहवासियों ने भी उनसे नाली निर्माण का काम जल्द प्रारम्भ करवाने का अनुरोध किया। उन्होंने एसडीएम तथा प्रभारी सीएमओ के साथ ठेकेदार को भी तत्काल रूप से नाली का काम शुरू करने के निर्देश प्रदान किए है।

दस टीमों ने लुटाए 230 करोड़ रुपए

इंडियन प्रीमियर लीग ऑक्शन में इस बार भी रिकॉर्ड तोड़ बोली लगी

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस व स्पेंसर जॉनसन पर 55.25 करोड़ खर्च

दुबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ऑक्शन में इस बार भी रिकॉर्ड तोड़ बोली लगी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और स्पेंसर जॉनसन पर 55.25 करोड़ रुपए खर्च किए गए। ऑक्शन में 10 टीमों ने 230.45 करोड़ रुपए में 72 प्लेयर्स खरीदे। इनमें 26 गेंदबाजों पर सबसे ज्यादा 90.05 करोड़ रुपए खर्च हुए। 30 विदेशी और 42 भारतीय खिलाड़ी बिके। भारतीयों में भी 34 अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीमों ने खरीदा, जिनमें से 9 करोड़पति बन गए। वहीं 15 इंडियन ऑलराउंडर्स पर 26.35 करोड़ रुपए खर्च हुए। 8 घंटे लंबी नीलामी के बाद भी कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स का स्क्वॉड नहीं भर सका। केकेआर में 2 और क्रम में 3 प्लेयर्स की जगह खाली है। जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने सभी 25 प्लेयर्स खरीदने के बाद भी 9.90 करोड़ रुपए बचा लिए।

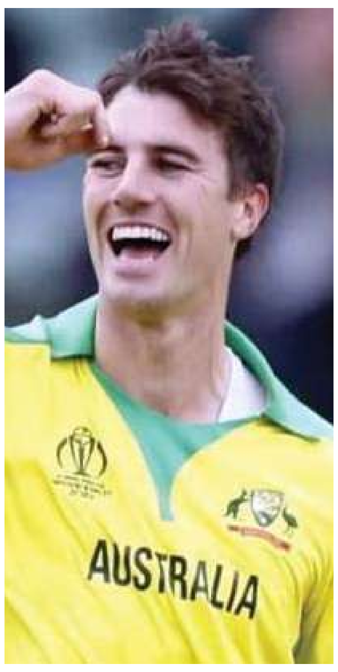

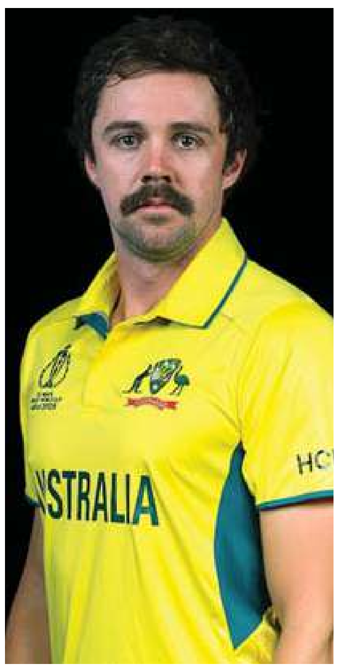

विदेशियों का आधा पैसा ऑस्ट्रेलिया पर

ऑक्शन में 30 विदेशी खिलाड़ियों पर 151.10 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इनमें करीब आधे रुपए (68.05 करोड़) ऑस्ट्रेलिया के 6 प्लेयर्स को खरीदने में चले गए। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के सबसे ज्यादा 6-6 खिलाड़ी बिके। इंग्लैंड के 6 प्लेयर्स पर 13.10 करोड़ रुपए ही खर्च हुई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के 6 खिलाड़ियों पर 68.05 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इनमें भी स्टार्क, कमिंस और स्पेंसर जॉनसन पर 55.25 करोड़ रुपए लगे। ऑक्शन में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के 4-4, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और अफगानिस्तान के 3-3 प्लेयर्स बिके। वहीं एक खिलाड़ी बांग्लादेश का भी बिका। इस बार किसी भी एसोसिएट प्लेयर का नंबर ऑक्शन में नहीं लगा।

15 भारतीय ऑलराउंडर्स पर 26.35 करोड़ रुपए खर्च

भारतीय खिलाड़ियों में 15 ऑलराउंडर्स और 15 ही गेंदबाज बिके। लेकिन ऑलराउंडर्स पर सबसे ज्यादा 26.35 करोड़ रुपए खर्च हुए। गेंदबाजों पर 10 टीमों ने 25.90 करोड़ रुपए लगाए। 7 बैटर्स पर 15.50 करोड़ और 5 विकेटकीपर पर 11.70 करोड़ रुपए खर्च हुए।

ऑलराउंडर्स पर हावी रहे गेंदबाज

ऑक्शन में 72 प्लेयर्स बिके, जिनमें 26 गेंदबाज और 25 ऑलराउंडर्स रहे। गेंदबाजों पर 90.05 करोड़ रुपए खर्च हुए। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क सबसे महंगे बॉलर रहे, उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा। भारतीयों में उमेश यादव सबसे महंगे रहे, उन्हें 5.80 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा। 25 ऑलराउंडर्स पर 78.85 करोड़ रुपए खर्च हुए। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस सबसे महंगे रहे, उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.45 करोड़ रुपए में खरीदा। भारतीयों में हर्षल पटेल सबसे महंगे रहे, उन्हें पंजाब किंग्स ने 11.75 करोड़ रुपए में खरीदा।

8 ही विकेटकीपर बिके, कुमार कुशाग्र सबसे महंगे

10 टीमों ने 8 विकेटकीपर पर सबसे कम 13.35 करोड़ रुपए खर्च किए। इनमें भी अनकैप्ड कुमार कुशाग्र सबसे महंगे रहे, उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 7.20 करोड़ रुपए में खरीदा। विदेशियों में शाई होप को दिल्ली ने ही 75 लाख रुपए देकर स्क्वॉड का हिस्सा बनाया। 13 बैटर्स पर 44.20 करोड़ रुपए खर्च किए गए। यहां भी अनकैप्ड खिलाड़ियों का जलवा रहा। समीर रिजवी सबसे महंगे रहे, उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.40 करोड़ रुपए में खरीदा। विदेशियों में साउथ अफ्रीका के राइली रुसो को पंजाब किंग्स ने 8 करोड़ रुपए में स्क्वॉड का हिस्सा बनाया।

42 भारतीय बिके, 14 करोड़पति बने

विदेशी खिलाड़ी सबसे महंगे बिकते हैं, लेकिन टूर्नामेंट की जान तो इंडियन प्लेयर ही रहते हैं। इस बार भी 42 भारतीय खिलाड़ियों पर 79.45 करोड़ रुपए खर्च किए गए। 14 प्लेयर करोड़पति बने, जिनमें 9 अनकैप्ड रहे। भारत के 34 अनकैप्ड खिलाड़ी बिके, इनमें 8.40 करोड़ रुपए के समीर रिजवी सबसे महंगे रहे, उन्हें सीएसके ने खरीदा। भारत से टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके 8 खिलाड़ी बिके, जिनमें हर्षल पटेल सबसे महंगे रहे। उन्हें 11.75 करोड़ रुपए में पंजाब ने खरीदा। शिवम मावी, उमेश यादव, शार्दूल ठाकुर और जयदेव उनादकट को भी एक करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत मिली।

साउथ अफ्रीका ने भारत को 8 विकेट से हराया

सीरीज 1-1 की बराबरी पर, विनर का फैसला 21 दिसंबर को पर्ल में होने वाले तीसरे मुकाबले से होगा

एंटीगुआ, एजेंसी

मेजबान साउथ अफ्रीका ने वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत पर 8 विकेट की जीत हासिल की। इस जीत से 3 मैचों की सीरीज रोमांचक म पर आ गई है। अब दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं, यानी कि विनर का फैसला 21 दिसंबर को पर्ल में होने वाले तीसरे और निर्णायक मुकाबले से होगा।

केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में मंगलवार को अफ्रीकी टीम ने 212 रनों का टारगेट 42.3 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर टोनी डी जॉर्जी (नाबाद 119 रन) ने वनडे करियर का पहला शतक जमाया, जबकि

रीज हेंडिक्स (52 रन) ने 7वीं फिफ्टी जमाई। रासी वान डर डसन ने 36 रन का योगदान दिया। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 46.2 ओवर में 211 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर साई सुदर्शन ने 62 रन बनाए, जबकि केएल राहुल ने 56 रन की पारी खेली। नांद्रे बर्गर को 3 विकेट मिले।

दूसरे वनडे का स्कोरकार्ड

डेथ ओवर्स में साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 8 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम ने आखिरी 15 बॉल में 11 रन बनाने में एक विकेट गंवा दिया। यहां रासी वान डर डसन 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रिंकू ने संजू सैमसन के हाथों कैच कराया। साउथ अफ्रीकी पारी का मिडिल ओवर मेजबान बल्लेबाजों के नाम रहा। 30 ओवर में भारतीय गेंदबाज साउथ अफ्रीका का एक ही विकेट निकाल सके। पावरप्ले में नॉटआउट रहे अफ्रीकी ओपनर्स ने 130 रनों की मजबूत साझेदारी की। उसके बाद जॉर्जी ने डसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रन जोड़े। इन दो साझेदारियों ने भारतीय टीम को जीत से दूर कर दिया।

प्लेयर एग्रीमेंट का उल्लंघन करने पर की कार्रवाई

नवीन-उल-हक आईएलटी-20 में हुए बैन

नईदिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के पेसर नवीन-उल-हक को शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने प्लेयर एग्रीमेंट का उल्लंघन करने के लिए यूएई की आईएलटी 20 (इंटरनेशनल लीग टी-20) से 20 महीने के लिए बैन कर दिया गया है। नवीन ने अगले साह जनवरी-फरवरी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए रिटेंशन नोटिस पर साइन करने से इनकार कर दिया था। बैन प्रभावी रूप से नवीन को 2024 और 2025 में आईएलटी 20 में खेलने से रोक देगा। हालांकि इस बैन का असर नवीन पर ज्यादा नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे जनवरी-फरवरी में ही होने वाली साउथ अफ्रीका लीग का हिस्सा होंगे। उन्होंने डरबन के सुपर जाइंट्स के साथ अनुबंध किया है। शारजाह

वॉरियर्स ने 2023 में लीग के पहले सीजन में नवीन को साइन किया था। इस साल की शुरुआत में ही टीम ने उन्हें रिटेंशन नोटिस भेजा था। नवीन ने जब नोटिस पर साइन करने से मना कर दिया, तब टीन ने लीग के अधिकारियों से संपर्क किया। आईएलटी 20 ने नवीन से बातचीत करने की कोशिश की लेकिन दोनों के बीच कोई हल नहीं निकला। लीग की डिसिप्लीनरी कमेटी में आईएलटी 20 के चीफ एक्जिक्यूटीव डेविड व्हाइट, सिक्योरिटी और एन्टी-करप्शन प्रमुख कर्नल आजम और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के सदस्य जायद अब्बास शामिल थे। इस कमेटी ने वॉरियर्स और नवीन दोनों को सुना और उनके सामने सबूतों की जांच की।

एनबीएफसी के वैकल्पिक इंवेस्टमेंट फंड्स में निवेश पर आरबीआई सख्त

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैकल्पिक निवेश कोष के जरिये पुराने लोन को लौटाने के लिये नया कर्ज लेने की व्यवस्था पर लगाम लगाने को लेकर बड़ा फैसला लिया है. आरबीआई ने बैंकों, वित्तीय संस्थानों के साथ हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को ऐसा करने से बचने की सलाह दी है. आरबीआई के एडवाइजरी के मुताबिक बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां उस वैकल्पिक निवेश कोष की किसी भी योजना में निवेश नहीं कर सकती है जिसने वित्तीय संस्थान से पिछले 12 महीनों में कर्ज लेने वाले कर्जदाताओं की कंपनी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निवेश कर रखा है. बैंक और एनबीएफसी अपने नियमित निवेश गतिविधियों के तहत एआईएफ की इकाइयों में निवेश करती हैं.

पिछले महीने शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सेबी ने एआईएफ के जरिए निवेश करने की जानकारी को आरबीआई के साथ साझा किया था. तब सेबी के अधिकारी ने कहा था कि आरबीआई के साथ डेटा को साझा किया है. आरबीआई ने कहा कि बैंक और एनबीएफसी के कुछ लेन-देन में एआईएफ शामिल हैं. इससे रेग्यूलेटरी स्तर पर चिंता सामने आई है. रिजर्व बैंक ने कहा कि इसके माध्यम से एआईएफ के जरिये पुराने कर्ज को लौटाने के लिए नई कर्ज की व्यवस्था पर रोक लगाने के लिए कदम उठाये है. बैंक व एनबीएफसी एआईएफ की किसी भी योजना में निवेश नहीं कर सकते, जिसने वित्तीय संस्थान से कर्ज लेने वाले कर्ज दाताओं की कंपनी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निवेश कर रखा है. साथ ही आरबीआई ने वित्तीय संस्थानों से कहा है कि ऐसे निवेश को 30 दिन के भीतर समाप्त करने की जरूरत होगी. अगर बैंक और एनबीएफसी निर्धारित समयसीमा में निवेश को समाप्त नहीं कर पाते हैं। उन्हें ऐसे निवेश के लिए 100 फीसदी प्रॉविजन करना होगा.

बैंकरप्ट एयरलाइन गोफर्स्ट खरीदेगी स्पाइसजेट

नईदिल्ली, एजेंसी

स्पाइसजेट ने कंफर्म कर दिया है कि वो बैंकरप्ट एयरलाइन गोफर्स्ट का टेकओवर करना चाहती है। फाइलिंग में कंपनी ने इसकी जानकारी दी। इस खबर के बाद स्पाइसजेट का शेयर 5 फीसदी से ज्यादा मजबूत होकर 69.20 पर एक साल के हाई पर पहुंच गया। कंपनी का मानना है गोफर्स्ट और स्पाइसजेट के कॉम्बिनेशन से एक मजबूत एयरलाइन बनाने में मदद मिलेगी। स्पाइसजेट के बोर्ड ने हाल ही में 2,254 करोड़ रुपए पूंजी जुटाने की मंजूरी दी थी। ये पूंजी वित्तीय संस्थानों और प्राइवेट इन्वेस्टर्स को शेयर जारी कर जुटाई जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पाइसजेट के अजय सिंह ने गोफर्स्ट के रेजोल्यूशन प्रोफेशनल शैलेन्द्र अजमेरा को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने एयरलाइन के लिए बोली लगाने में रुचि व्यक्त की है। इससे पहले खबर आई थी कि गो फर्स्ट को खरीदने के लिए तीन कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इनमें देश की बजट एयरलाइन स्पाइसजेट, अफ्रीका की सैफ्रिक इन्वेस्टमेंट्स और शारजाह की एविएशन कंपनी स्काई वन शामिल हैं। गो फर्स्ट को खरीदने के लिए बोली लगाने की आखिरी तारीख 22 नवंबर 2023 थी, लेकिन तब तक किसी ने भी इसे खरीदने की इच्छा नहीं जताई थी। अब जब तीन कंपनियों ने एयरलाइंस को खरीदने की इच्छा जताई है तो उम्मीद जताई जा रही है कि बोली की तारीख बढ़ाई जा सकती है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पठान, जवान के बाद शाहरुख की डंकी रिलीज को तैयार

डंकी में शाहरुख खान, तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी जैसे सितारे हैं। हाल ही में इसका टीजर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। शाहरुख खान की डंकी की रिलीज के लिए तैयार हैं। यह इस साल शाहरुख खान की रिलीज होने वाली तीसरी फिल्म है। इससे पहले आई पठान और जवान बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी हैं। फिलहाल, डंकी की टीम इन दिनों फिल्म का अलग अंदाज में प्रचार कर रही है। हाल ही में रेड चिलीज की ओर से डंकी डायरीज नाम का एक वीडियो शेयर किया गया। इसमें राजकुमार हिरानी फिल्म से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताते नजर आए।

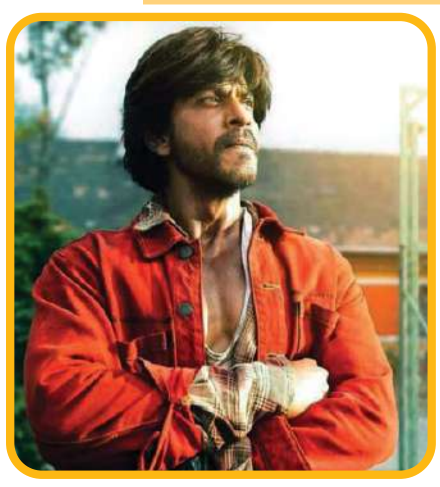

हिरानी को ऐसे मिला फिल्म का आइडिया

इस दौरान हिरानी ने दिलचस्प कहानी साझा की है कि कैसे जालंधर में एक घर की वजह से उन्हें फिल्म बनाने के आइडिया आया। वीडियो में शाहरुख ने हिरानी को एक घर की तस्वीर दिखाई, इसकी छत पर एक सीमेंट का हवाई जहाज नजर आ रहा था। इस बारे में बताते हुए हिरानी ने कहा पंजाब के जालंधर के आसपास स्थित ऐसे घर यह दर्शाते हैं कि परिवार से एक या एक से अधिक व्यक्ति विदेश में जा चुका है। हवाई जहाज इस गर्व का प्रतीक है कि हमारे परिवार का सदस्य विदेश में है। वीडियो में शाहरुख ने एक और तस्वीर दिखाई, जिसमें उसी घर के सामने हिरानी भी नजर आए। हिरानी ने बताया कि यह तस्वीर तब ली गई थी जब हमने फिल्म डंकी बनाने का फैसला किया था और शोध के लिए घर का दौरा किया था। यही वह समय था जब निर्देशक को पता चला कि हवाई जहाज क्या दर्शाता है।

चारू बोली- सिंगल मदर होना अपराध...

चारू असोपा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री व्लॉग शेयर करती रहती हैं, और हमेशा अपने फैंस को अपनी जिंदगी के बारे में अपडेट देती हैं। अभिनेत्री, जो हाल ही में अपने स्थान के पास एक नए घर में स्थानांतरित हुई हैं, ने घर की तलाश के दौरान आने वाली चुनौतियों को साझा किया। अपने व्लॉग में, चारू ने खुलासा किया कि एक महिला ने उन्हें घर देने से इनकार कर दिया क्योंकि वह एक अकेली मां हैं, और उनके परिवार में कोई पुरुष सदस्य नहीं है। अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, चारू ने कहा, मैंने अपने जल्द ही बनने वाले नए घर की सोसायटी मीटिंग में भाग लेने के लिए शूटिंग के बीच एक घंटे का ब्रेक लिया। सब कुछ फाइनल हो चुका था और टोकन मनी भी जमा कर दी थी। समिति के सदस्य ज्यादातर पुरुष थे, और केवल एक महिला थीं। चारू ने बताया कि महिला ने उनसे पूछा कि कितने लोग रहने वाले हैं। इस पर चारू ने कहा कि मैं, मेरी बेटी और दो नौकरानियां होंगी। महिला ने चारू से कहा, नहीं, हम सिंगल मदर्स को घर नहीं देते।

जब एक दिन में आमिर को खाने पड़ते थे सौ पान

आमिर खान की फिल्म 'पीके' को पूरे 9 साल हो गए हैं. फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया. वहीं इस फिल्म में अपने किरदार में ढलने के लिए आमिर खान ने एक दिन में 100 पान खा लिए थे. अपनी हर फिल्म के लिए जी तोड़ मेहनत करते हैं. यही वजह है कि उन्हों बॉलीवुड का मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है. अपने हर एक फिल्म के किरदार को बेहतरीन बनाने के लिए जी तोड़ मेहतन करते हैं. तो चलिए आज हम आपको आमिर खान की फिल्म पीके से जुड़ा एक ऐसा किस्सा बताने वाले हैं जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे. फिल्म को पूरे 9 साल हो चुके हैं. राजकुमार हिरानी की ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. फिल्म में लोगों को आमिर खान के किरदार ने खूब हंसाया था. लेकिन ये किरदार निभाना उनके लिए इतना आससान नहीं रहा. उन्हें हर सीन से पहले पान चबाना पड़ता था.

हर सीन में 15 से 29 पान खा गए

मालूम हो कि पीके में आमिर खान का किरदार ऐसा था जिसमें उनके बड़े-बड़े कान थे और वह पूरे टाइम पान खाता था. वहीं अपने होठों को लाल रखने के लिए आमिर खान हर वकर्त पान चिबाते थे, ताकि उनके होठों का कलर हर सीन में एक जैसे ही दिखे. वह एक दिन शूटिंग के दौरान आमिर खान 100 पान खा गए थे. इस चक्कर में सेट पर हर वक्त एक पान वाले भईया अपना दुकान खोले हुए रखते हैं. कहा जाता है कि हर सीन से पहले आमिर 15 से 29 पान खा जाया करते थे. वहीं इन दिनों आमिर खान अपनी लाडली बेटी आयरा खान की शादी को लेकर बिजी चल रहे हैं. हाल ही में आयरा को एक खास अवॉर्ड से नवाजा गया था, जहां अपनी बेटी को सपोर्ट करने के लिए आमिर खान भी पहुंचे थे. इन दौरान उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता भी मौदूद नजर आईं.

हार्डवेयर और किराना दुकान से लाखों की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में नकबजन गिरोह सक्रिय है। गिरोह लगातार दुकानों और सूने मकानों को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम दे रहा है। मिमरोद थाना क्षेत्र में गुंजन नगर में बदमाश हार्डवेयर का ताला तोड़कर काउंटर से नगदी और करीब एक लाख रुपए का सामान चुराकर ले गए। इसी प्रकार कटारा हिल्स स्थित गोल्डन आर्चेड में किराना दुकान का ताला तोड़कर बदमाश 30 हजार रुपए की नगदी समेत चालीस हजार रुपए का किराना सामान चुराकर ले गए। घटना 11 दिसंबर की है। पीड़ित ने घटना की शिकायत तत्काल पुलिस थाने पहुंचकर की थी, लेकिन जांच का हवाला देते हुए पुलिस ने 8 दिन बाद नकबजनी की एफआईआर दर्ज की। पुलिस के

अनुसार योगेश कुमार की गुंजन नगर मिसरोद में हार्डवेयर की दुकान है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 15 दिसंबर की शाम उन्होंने दुकान बंद की थी। अगले दिन 16 दिसंबर को पता चला कि दुकान के शटर पर लगे ताले टूट चुके हैं। दुकान में घुसकर देखने पर पता चला कि बदमाश काउंटर में रखी कुछ नगदी और हार्डवेयर में रखे वायर, ड्रील मशीन, कटर मशीन समेत एक लाख रुपए का माल चुराकर ले गए हैं। इसी प्रकार गोल्डन आर्चेट कटारा हिल्स में गौरी किराना एंड जनरल स्टोर्स का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि गत 11-12 दिसंबर की रात उनकी दुकान का ताला तोड़कर बदमाश तीस हजार रुपए की नगदी समेत घी दूध दही समेत अन्य सामान चुराकर ले गए। बदमाश अपने साथ दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीबीआर भी चुराकर ले गए हैं।

पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

चेतक ब्रिज पर ऑटो चालक के साथ ड्राइवरों ने की मारपीट, लापता है पीड़ित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थानांतर्गत चेतक ब्रिज पर बीती रात एक इलेक्ट्रिक आटो चालक के साथ दूसरे आटो चालक और उसके साथियों ने मारपीट कर दी। इस दौरान आटो चालक के साथ मौजूद उसका दोस्त अपनी जान बचाने के लिए मौके से भाग निकला। जब वह वापस घटनास्थल पर पहुंचा तो मारपीट का शिकार हुआ आटो चालक गायब हो चुका था। पुलिस ने परिजनों की सूचना पर उसकी गुमशुदगी दर्ज की है। देर रात तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। सीसीटीवी कैमरे में घटना की पुष्टि हुई है, लेकिन आटो चालक कहां गया, इसका पता नहीं चल पा रहा है।

पुलिस के मुताबिक खानूगांव में रहने वाला 22 वर्षीय जैद इलेक्ट्रिक आटो चलाता है। सोमवार रात वह अपने एक दोस्त के साथ भोजपाल मेले के सामने सवारी का इंतजार कर रहा था। देर रात सवारी नहीं मिली तो दोनों घर की तरफ लौटने लगे। चेतक ब्रिज के जैद सड़क किनारे खड़ी सवारी से बातचीत कर रहा था, तभी एक आटो उसके आटो को कट मारते हुए निकला। जैद ने उसका पीछा किया और चेतक ब्रिज पर रोक लिया और कट मारने से हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग करने लगा। इसी बीच कट मारने वाले आटो चालक ने किसी को फोन लगाया तो उसके चार-पांच दोस्त पहुंच गए। वह जैद के साथ मारपीट करने लगे तो उसका साथी जान बचाकर मौके से भाग निकला। कुछ देर बाद वापस लौटा तो मारपीट करने वाले युवक और जैद नहीं मिला।

फाइल फोटो

सीसीटीवी कैमरे से हुई घटना की पुष्टि

पुलिस ने बताया कि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे देखने पर जैद के चेतक ब्रिज पर पहुंचने, सड़क किनारे रुकने और दूसरे आटो के निकलने की पुष्टि तो हुई, लेकिन मारपीट और उसके अपहरण का पता नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस ने जैद की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। घटना के समय जैद के साथ मौजूद रहे दोस्त ने ही पुलिस और परिजनों को घटना की जानकारी दी थी।

शादी का झांसा देकर महिला का शारीरिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 28 वर्षीय महिला समीर खान के घर पर काम करती थी। समीर खान स्वयं का व्यवसाय करता है। महिला का अपने पति और समीर का अपनी पत्नी से तलाक हो चुका है। इस दौरान समीर ने महिला को शादी करने का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। महिला ने जब समीर पर शादी के लिए दबाव बनाना शुरू किया तो उसने शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

स्वास्थ्य बीमा योजना के नाम पर मंत्रालय के बाबू से दो लाख की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित शिवाजी नगर शासकीय अवास में रहने वाले मंत्रालय के बाबू को सायबर ठग ने दो लाख पांच हजार रुपए का चूना लगा दिया। घटना 17 दिसंबर की बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात सायबर ठग पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

साइबर ठग ने लगाया चूना, पत्नी और बच्चों का स्वास्थ्य बीमा कराने मांगी जानकारी, ओटीपी देने पर कटे रुपए

एएसआई राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव (58) बी 107/29, शिवाजी नगर, हबीबगंज में रहते हैं। वे मंत्रालय में बाबू हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 17 दिसंबर को उनके पास एक अंजान नंबर से कॉल आया था। कॉलर ने खुद को बीमा शाखा का प्रतिनिधी बताया और पत्नी बच्चों का बीमा कराने की बात कही थी। उसने स्वास्थ्य बीमा योजना की जानकारी दी और आधार कार्ड समेत बैंक खाते की जानकारी मांग ली। इसके बाद आरोपी ने मोबाइल पर आया ओटीपी भी मांगा था। इस बात अंजान नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव की उनके साथ ठगी होने वाली है। नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने जालसाज को ओटीपी बता दिया था। ओटीपी मिलने के बाद आरोपी ने नरेंद्र कुमार के खाते से दो बार में एक लाख 99 हजार 475 रुपए और 4 हजार पांच रुपए निकाल लिए। खाते से रुपए निकलने के बाद नरेंद्र कुमार ने जालसाज से संपर्क करना चाहा तो उसने अपना मोबाइल बंद कर लिया था। घटना की शिकायत मिलते ही हबीबगंज पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

उधारी के रुपये वापस लेने पहुंची महिला के साथ छेड़छाड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर दो लोगों के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। घटना करीब दो महीने पहले उस वक्त हुई, जब महिला उधारी के रुपये वापस लेने के लिए आरोपियों की दुकान पर पहुंची थी। पुलिस के मुताबिक निशातपुरा इलाके में रहने वाली 50 वर्षीय महिला के बेटे ने कुछ समय पहले बैरागढ़ में रहने वाले राकेश को रुपये उधार दिए थे। करीब दो महीने पहले राकेश ने उधारी चुकाने के लिए महिला को बैरागढ़ स्थित अपनी दुकान पर बुलाया था। महिला अपनी मुंहबोली बहन के साथ दुकान पर पहुंची तो राकेश और उसके साथी हरीश ने महिला के साथ गाली-गलौज करते हुए आपत्तिजनक और अश्लील बातें की। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर बच्ची जीवित होने से पुलिस ने तत्काल बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा

हबीबगंज पांच नंबर मस्जिद के सामने कपड़े में लिपटी मिली नवजात बच्ची

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित पांच नंबर में मस्जिद के सामने नवजात बच्ची बरामद की गई। बच्ची को पुलिस ने जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया है। बच्ची का वजन महज आठ सौ ग्राम होने के कारण उसकी स्थिती नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने अज्ञात मां पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस बच्ची की मां की तलाश कर रही है। एएसआई राजेश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे के आसपास कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी कि पांच नंबर में मस्जिद के सामने माचना कॉलोनी में सड़क किनारे बच्ची पड़ी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो पता चला कि बच्ची को कपड़े में लपेटकर यहां छोड़ा गया है। बच्ची जीवित होने के कारण पुलिस ने तत्काल बच्ची को इलाज के लिए जय प्रकाश अस्पताल पहुंचा था। वहां बच्ची को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित पिपलिया कुंजनगढ़ गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महम्या के कारण का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस ने बताया कि मनीषा जोखले पति मुकेश जोखले (31) पिपलिया, कुंजनगढ़ गांव में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति प्राइवेट काम करता है। पति ने पुलिस को बताया कि मंगलवार दोपहर वह काम कर घर लौटा तो पत्नी ने फांसी लगा ली थी। पति की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मायके और ससुराल पक्ष को बयान के लिए बुलाया गया है। बयान होने के बाद ही आत्महत्या के कारण का पता लगाया जा सकेगा।

बिजली विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी की फांसी पर लटकी मिली लाश

भोपाल। पिपलानी पुलिस ने जम्बूरी मैदान में पेड़ पर फांसी लटकी एक बुजुर्ग व्यक्ति की लाश बरामद की। मृतक की पहचान बिजली विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी के रूप में हुई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब आठ बजे सूचना मिली कि रत्नागिरी तिराहे के पीछे जम्बूरी मैदान में एक व्यक्ति की लाश फांसी के फंदे पर लटकी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया, जिसके बाद मृतक की पहचान जगत सिंह (65) निवासी अयोध्या नगर के रूप हुई। जगत सिंह बिजली विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी थे और पत्नी के साथ किराए से रहते थे। उनके बच्चे अलग अपने परिवार के साथ रहते हैं। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह बीती 15 दिसंबर को घर से निकले थे। दो दिन बाद 17 दिसंबर को बेटे से बात हुई तो उन्होंने कहा था कि कुछ देर में घर पहुंच जाएंगे, लेकिन घर नहीं पहुंचे थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022